epaper.dehatsandesh.com

3 साइकिल फॉर चेंज क्लब ने युवा सेवाओं एवं खेल मंत्री को साइक्लिंग संबंधित सौंपा ज्ञापन
5 ग्लेन फिलिप्स ने धोए पाक गेंदबाज, अफ्रीदी को 1 ओवर में ठोके 25 रन
8 पिता ने जताई संगम स्नान की इच्छा तो कैलिफोर्निया से दौड़ी चली आईं बेटियां

मौसम जम्मू न्यूनतम 12 अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-39 | जम्मू तवी, सोमवार 10 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

किसानों की उन्नति से होगा देश का विकास : उपराष्ट्रपति

चित्तौड़गढ़ 09 फरवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज की शासन व्यवस्था को किसान के प्रति नतमस्तक बताते हुए कहा है कि किसान के हाथों में राजनीतिक ताकत और आर्थिक योग्यता है और उसे किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए।

श्री धनखड़ यहां अखिल मेवाड़ क्षेत्र जाट महासभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की महायात्रा में किसान की भूमिका को कोई कुंठित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आज की शासन व्यवस्था किसान के प्रति नतमस्तक है और किसान दाता है। उन्होंने कहा फ़किसान की आर्थिक व्यवस्था में जब उत्थान आता है तो देश की व्यवस्था में उद्धार आता है, बाकी किसान दाता है, किसान को किसी की ओर नहीं देखना चाहिए, किसी की मदद का मोहताज नहीं होना चाहिए क्योंकि किसान के सबल हाथों में राजनीतिक ताकत है, आर्थिक योग्यता है।

उन्होंने 25 साल पहले हुए जाट आरक्षण आंदोलन के दिनों को याद करते हुए कहा मैं यहाँ 25 साल बाद आया हूँ, 25 साल पहले इसी जगह पर एक बहुत अच्छा काम हुआ था। सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत की थी, जाट और कुछ जातियों को आरक्षण मिले। यह शुरुआत वर्ष 1999 की थी, समाज के प्रमुख लोग यहां उपस्थित थे। मैं भी उनमें एक था। हमने इस पवित्र भूमि, देवनगरी, मेवाड़ के हरिद्वार में संरचना की, कार्यसिद्धि मिली और आज उसके नतीजे देश और राज्य की प्रशासनिक सेवाओं में मिल रहे हैं। उसी आधार पर, उसी सामाजिक न्याय पर, उसी आरक्षण पर जिनको लाभ मिला है, आज वो सरकार में प्रमुख पदों पर हैं। उनको मेरा आग्रह रहेगा; पीछे मुड़कर जरूर देखें और कभी नहीं भूलें कि इस समाज के सहयोग की वजह से, इस समाज के प्रयास की वजह से हमें सामाजिक न्याय मिला, जब भी कोई आंदोलन होता है, ख़ास तौर से आरक्षण से जुड़ा हुआ। लोग आतंकित हो जाते हैं, हिंसक हो जाते हैं, और कई दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। पर इस पावन भूमि पर मेरा सिर गौरव से ऊंचा है, छाती चौड़ी है कि हमारा आंदोलन सामाजिक न्याय का दुनिया के लिए सबसे बड़ी मिसाल है। कहीं कोई अव्यवस्था नहीं हुई, कहीं कोई हिंसा नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि किसानों से कृषि विज्ञान केंद्रों का लाभ लेने का आग्रह करते हुए फ़किसान को मदद करने के लिए 730 से ज़्यादा कृषक विज्ञान केंद्र हैं जहां किसानों को नई तकनीकों एवं सरकारी नीतियों की जानकारी लेनी चाहिए। तब पता लगेगा कि सरकार ने खजाना खोल रखा है, जिसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर किसान महीने में दो बार भी इन केन्द्रों पर जायेंगे तो वहां कार्यरत लोगों को पता लगेगा कि अन्नदाता जाग गया है, अन्नदाता की सेवा करनी पड़ेगी, अन्नदाता हमारा लेखा जोखा ले रहा है और जब किसान लेखा जोखा लेगा तो गुणात्मक सुधार आएगा।

श्री धनखड़ ने किसान को अपने उत्पाद की मूल्य वृद्धि पर ध्यान देने की जरुरत बताते हुए कहा कि अब दूध, छाछ एवं दही तक ही सीमित नहीं रहकर जितने उत्पाद दूध के बन सकते हैं, पनीर हो, आइसक्रीम हो, रसगुल्ला हो, किसान का योगदान होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने युवाओं को कृषि व्यापार से जुड़ने पर ज़ोर देते हुए किसान, उसके बेटे-बेटी से अनुरोध किया कि दुनिया का सबसे बड़ा व्यापार, बेशकीमती व्यापार, कृषि उत्पादन का है। किसान अपने उत्पाद के व्यापार से क्यों नहीं जुड़ा हुआ है। किसान उसमें क्यों नहीं भागीदारी ले रहा है। हमारे नौजवान प्रतिभाशाली हैं। ज़्यादा से ज़्यादा किसानों को सहकारिता का फायदा लेते हुए अन्य व्यवसायों में, कृषि उत्पादन के व्यवसाय में अपने आपको लगनशील रूप से कार्यरत करना चाहिए। इसके दूरगामी आर्थिक सकारात्मक परिणाम होंगे।

गृहमंत्री ने जवानों के बलिदान पर जताई संवेदना, कहा-एक साल में देश से खत्म कर देंगे नक्सलवाद

नई दिल्ली, 09 फरवरी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 2 जवानों के बलिदान होने पर भावपूर्ण संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक साल में देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर देंगे।

सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गयी है। सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गयी है। उन्होंने आगे कहा कि मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। बलिदान जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुनः यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े। उल्लेखनीय है छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगल में रविवार सुबह 8ः30 बजे डीआरजी, एसटीएफ एवं बस्तर फाइटर के संयुक्त बलों के साथ हुई मुठभेड़ में 31 वर्दीधारी नक्सली मारे गए। इन नक्सलियों की पहचान की जा रही है द्य इस मुठभेड़ में दो जवान बलि दान हो गए और दो अन्य जवान घायल हो गए हैं। दोनों घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से निकाला गया और उनका उपचार जारी है। मुठभेड़स्थल से नक्सलियों के शव के साथ एके 47, एसएलआर, इंसास रायफल, 303 रायफल, बीजीएल लांचर सहित बड़ी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक बरामद हुआ है द्य यह इलाका महाराष्ट्र सीमा से लगा हुआ है उन्होंने आगे कहा कि मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। बलिदान जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुनः यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े।

पुलिस ने अक्षय हत्याकांड में दो साल से फरार कुख्यात अपराधी सुरजन सांसी को किया गिरफ्तार

जम्मू, 9 फरवरी । अपराधियों/गैंगस्टरों के खिलाफ कार्रवाई में जम्मू पुलिस को मिली एक बड़ी सफलता में एसडीपीओ आरएस पुरा और एसपी मुख्यालय जम्मू की देखरेख में एसएचओ बिश्नाह सुशील चौधरी के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बिश्नाह की पुलिस पार्टी ने वांछित अपराधी सुरजन सांसी पुत्र तिलक राज निवासी रेहाल, बिश्नाह को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

सुरजन सांसी एक हिस्ट्रीशीटर, कुख्यात अपराधी/गैंगस्टर है जो पुलिस स्टेशन रामगढ़, सांबा के क्षेत्राधिकार में अक्षय हत्याकांड में शामिल होने सहित कई मामलों में वांछित था। वह पिछले दो वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा था लेकिन जम्मू पुलिस के लगातार प्रयासों और रणनीतिक अभियानों के कारण उसे आखिरकार हिरासत में ले लिया गया है।

आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है। जम्मू पुलिस आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाने और सामान्य पुलिस की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कानून के शासन को बनाए रखने के लिए सभी उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नर्म पड़े उमर के तेवर, निकट भविष्य में राज्य दर्जा बहाली के संकेत नहीं

जम्मू, 9 फरवरी। कैबिनेट की पहली बैठक में राज्य दर्जा बहाली व पूर्वोत्तर राज्य की तर्ज पर जम्मू कश्मीर के लिए विशेषाधिकार का प्रस्ताव पास करने वाली उमर सरकार के तेवर अब ठंडे पड़ चुके हैं। टकराव की स्थिति से बचने के लिए निःशुल्क बिजली, पेयजल, न्यूनतम वेतन, डेलीवेजरों का नियमितिकरण आदि वादों को पूरा करने में टालमटोल की जा रही है। नेकां के आत्मसमर्पित रवैए से जनता की उम्मीदों को जोरदार झटका लगा है। यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख मनीश साहनी का। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित रविवार को एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दो पावर सिस्टम की स्थिति में जनता व उनके बुनियादी मुद्दे पिस रहे है। राज्य दर्जा बहाली व विशेषाधिकार को मुख्य मुद्दा बना विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने वाले नेकां टकराव की स्थिति से बचने के लिए अपने मुख्य मुद्दों पर सरेंडर कर चुकी है। वहीं केंद्र ने 2025-26 के बजट में भी जम्मू-कश्मीर पुलिस बजट को गृह मंत्रालय के अनुमान के अधीन रख केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पुलिस को दिल्ली पुलिस के समकक्ष लाया जा रहा है। जिससे यह साफ है कि निकट भविष्य में जम्मू-कश्मीर की पूर्ण राज्य दर्जा बहाली होने वाली नहीं है। वहीं उमर सरकार की इस पर चुप्पी व नर्म रवैया इशारा है कि नेकां व भाजपा के बीच अंदर खाते कुछ खिचड़ी जरुर पक रही है। वहीं उमर सरकार ने निःशुल्क बिजली, पेयजल, न्यूनतम वेतन, रोजगार, डेलीवेजरों का नियमितिकरण, महिला सशक्तिकरण आदि वादों पर टकराव की स्थिति से बचने के लिए मुंह मोड़ लिया है। साहनी ने कहा कि जन मुद्दों व वादों से मुंह फेरना तथा भाजपा से नजदीकियां नेकां के राजनीतिक भविष्य के लिए घातक साबित होंगी।

भारत ने मिसाइल और वायु रक्षा प्रणाली में सफलता की अनेक कहानियां गढ़ीं : राजनाथ

बेंगलुरू, 09 फरवरी । एयर फोर्स स्टेशन येलहंका में एशिया की सबसे बड़ी हथियारों की प्रदर्शनी एयरो इंडिया का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में होंगा। पूर्व संध्या पर उन्होंने 10 से 14 फरवरी तक चलने वाले एयरो इंडिया के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देने के साथ ही रक्षा क्षेत्र में विकसित हो रहे भारत का खाका खींचा। राजनाथ सिंह ने रविवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में स्वदेशी एलसीए तेजस मार्क-2 की प्रोडक्शन लाइन का दौरा करके प्रगति का जायजा लिया।

रक्षा मंत्री एयरो इंडिया 2025 के लिए आज शाम को बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट पर उतरे और एचएएल की अत्याधुनिक एलसीए तेजस मार्क-1ए की उत्पादन सुविधा का दौरा किया। यह लड़ाकू विमान एलसीए मार्क-1 का उन्नत संस्करण है, जिसमें कई उन्नत विशेषताएं हैं। एलसीए बहु-भूमिका वाला विमान है, जो आसानी से आक्रामक हवाई सहायता, नजदीकी युद्ध और जमीनी हमले की भूमिका निभाने में सक्षम है। तेजस मार्क-1ए आने वाले दशकों तक भारतीय वायुसेना की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करेगा।

रक्षा मंत्री सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने मिसाइल विकास कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। अग्नि मिसाइल, अस्त्र मिसाइल प्रणाली और पिनाका मिसाइल प्रणाली के उन्नत संस्करणों से लेकर अत्याधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली और आकाश वायु रक्षा प्रणाली तक हमने सफलता की अनेक कहानियां गढ़ी हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर जागरूकता शिविर का आयोजन

राजौरी 09 फरवरी। उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर, विभिन्न विभागों की भागीदारी के साथ, सुंदरबनी के पीडब्ल्यूडी डाक बंगले में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने के लिए एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डॉ. राज कुमार थापा की देखरेख में आयोजित शिविर में एडीसी सुंदरबनी राजीव मगोत्रा, एसीडी विजय कुमार वर्मा सहित अन्य जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी भी षामिल हुए।

जागरूकता शिविर का उद्देश्य जनता को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभों और कार्यान्वयन के बारे में शिक्षित करना है, जो घरों को मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए छत पर सौर पैनलों की स्थापना को बढ़ावा देता है।

अधिकारियों ने योजना का लाभ उठाने के लिए पात्रता मानदंड, वित्तीय सहायता और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों के बारे में विस्तार से बताया।

एक वर्ष में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादियों को सिम कार्ड देने के आरोप में 30 लोगों को किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 09 फरवरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को कहा कि उन्होंने बीते एक वर्ष में आतंकवादियों को सिम कार्ड देने के आरोप में 30 लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक बयान में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पिछले एक साल में 30 से अधिक व्यक्तियों को उनके नाम पर सिम कार्ड खरीदने और उन्हें गैरकानूनी गतिविधियों के लिए आतंकवादियों को देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने नागरिकों से उनके नाम पर जारी किए गए सिम कार्ड के बारे में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद या संगठित अपराध के लिए सिम कार्ड का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति को सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। इसमें कहा गया है कि राज्य जांच एजेंसी और जिला पुलिस इकाइयां ऐसे उल्लंघनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखती हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों द्वारा सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। सिम कार्ड विक्रेताओं द्वारा अपने ग्राहक को केवाईसी मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए श्रीनगर, गांदरबल, अनंतनाग, बडगाम, पुलवामा, शोपियां, बांदीपोरा, सांबा और किश्तवाड़ सहित कई जिलों में व्यापक निरीक्षण किए गए हैं।

युवा हमारी सबसे बड़ी संपत्ति और ताकत हैं, उन्हें आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन लाना होगा : सिन्हा

जम्मू 09 फरवरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आगरा के डॉ. करण सिंह इंटर कॉलेज में अखिल भारतीय गालव पूर्व त्यागी ब्राह्मण महासभा के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया।

अपने मुख्य भाषण में उपराज्यपाल ने लोगों से आधुनिक भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने कहा, हमें अपनी समृद्ध संस्कृति की रक्षा और प्रचार करना चाहिए, शिक्षा में सुधार के लिए प्रयास करना चाहिए और युवाओं को सशक्त बनाना चाहिए।

उन्होंने युवाओं से सरकार और जनता के बीच एक पुल के रूप में कार्य करने और देश में आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए कहा।

उपराज्यपाल ने कहा युवा हमारी सबसे बड़ी संपत्ति और ताकत हैं। मैं यह भी चाहता हूं कि हमारे युवा वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने और भाईचारे और सद्भाव के आदर्शों की नींव को मजबूत करने के लिए समर्पण के साथ काम करें

उपराज्यपाल ने युवा पीढ़ी से भविष्य की चुनौतियों का समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों और राजनीतिक हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने अपना पूरा जीवन निस्वार्थ भाव से देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं और युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने में सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

बीजापुर मुठभेड़-31 नक्सली ढेर,दो जवान शहीद, दो घायल

रायपुर 09 फरवरी । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 31 नक्सलियों को मार गिराया जबकि इस दौरान सुरक्षा बलों के दो जवान शहीद हो गये तथा दो अन्य घायल हो गये।

वहीं बस्तर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी सुंदर राज ने भी मुठभेड़ में 31 नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में बीजापुर और नारायणपुर से लगी महाराष्ट्र की सीमा पर रविवार सुबह उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम एंटी-नक्सल ऑपरेशन पर थी।

इस पूरे मामले व मुठभेड़ पर विस्तृत जानकारी देते हुए श्री सुंदरराज ने बीजापुर मुठभेड़ पर बताया कि जिला बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर बीजापुर डिआरजी, एसटीएफ और संयुक्त बल को रवाना किया गया था। रविवार को इस ऑपरेशन के दौरान माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई बार मुठभेड़ हुईं। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में अब तक कुल 31 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। आईजी सुंदरराज ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के चार जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो जवानों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहीद होने वालों में एक डिआरजी और एक एसटीएफ का जवान शामिल है। अन्य दो घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज सुबह से ही सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ हो रही थी पहले 12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर आई जो की बढ़कर संख्या 31 नक्सली के मारे जाने की पुष्टि हुई। इस बीच आईजी ने कहा कि साल 2025 में अब तक अलग-अलग मुठभेड़ों में 65 माओवादियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं बस्तर पुलिस ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म करने चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन में फोर्स के जवानों को लगातार सफलता मिल रही है।

पशु तस्करी प्रयास विफल, 16 मवेशियों को मुक्त करवाया

कठुआ 09 फरवरी । पशु तस्करों के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने हीरानगर थाना अधिकार क्षेत्र में गोवंश तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए 16 मवेशियों को मुक्त करवाया।

जनकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन हीरानगर की एक पुलिस पार्टी ने लोंडी मोड़ पर नाका ड्यूटी के दौरान पंजीकरण संख्या जेके02एपी-3373 वाले एक ट्रक को शक के आधार पर जांच के लिए रोका। जोकि बॉर्डर से सांबा वाया लोंडी मोड़ की ओर जा रहा था। जांच के दौरान ट्रक में 16 गोजातीय जानवर भरे हुए पाए गए जिन्हें मुक्त करवाया गया और ड्राइवर को थाना प्रभारी हीरानगर ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

चालक की पहचान शौकत अली पुत्र शाह मोहम्मद निवासी ढ़ेरा भब्बर तहसील जिला रियासी के रूप में हुई है। इस संबंध में हीरानगर पुलिस ने कानून के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सुनील शर्मा ने अमित शाह से मुलाकात की, जम्मू-कश्मीर के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की

जम्मू, 9 फ़रवरी। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने क्षेत्र को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक के दौरान शर्मा ने जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीले पदार्थों की तस्करी के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त की और तत्काल सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं, विशेष रूप से सड़क संपर्क और पर्यटन की वकालत की।

चर्चा का एक अन्य प्रमुख बिंदु संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ग्राम रक्षा समितियों (वीडीसी) और ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) को मजबूत करना था। शर्मा ने हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों पर प्रकाश डाला जिसमें कुलगाम में एक पूर्व सैनिक के परिवार पर क्रूर हमला भी शामिल है और सरकार से प्रभावित परिवारों के लिए पुनर्वास और शैक्षिक सहायता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। जवाब में अमित शाह ने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और उठाई गई चिंताओं पर त्वरित कार्रवाई का वादा किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के सभी भाजपा विधायकों के साथ बैठक बुलाने पर भी सहमति जताई जिसे क्षेत्र में पार्टी की मौजूदगी को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए। आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरूद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए। आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है। ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करे।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

एडीडीसी ने आरडीडी सेक्टर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

राजौरी 09 फरवरी। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डॉ. राज कुमार थापा ने ब्लॉक सुंदरबनी, सेरी, कालाकोट, सोइत, नौशेरा और मौगला के ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डॉ. थापा ने संबंधित अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सर्वेक्षण में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि सभी लाभार्थियों को अनावश्यक देरी के बिना आवास लाभ प्रदान किया जा सके।

बैठक में ग्रामीण बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पीआरआई, डीडीसी और बीडीसी अनुदान के उपयोग की समीक्षा की गई।

पीएमजीएसवाई सड़क सर्वेक्षण की देखरेख के लिए सुदूर गोडल पंचायत का दौरा किया

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। दूरदराज के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही संपर्क समस्याओं को दूर करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए डीडीसी अध्यक्ष कर्नल महान सिंह (सेवानिवृत्त) ने रविवार को गोडल की दूरदराज की पंचायत का दौरा किया और जगना से गोडल तक प्रस्तावित पीएमजीएसवाई सड़क के लिए चल रहे सर्वेक्षण का निरीक्षण किया जो लगभग 10 किलोमीटर तक फैली हुई है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के लिए एक बहुत जरूरी टिकाऊ मौसम अनुकूल सड़क प्रदान करना है जो स्थानीय निवासियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करती है।

इस अवसर पर बोलते हुए कर्नल महान सिंह ने सुदूर और अलग-थलग बस्तियों के लिए सड़क संपर्क सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बुनियादी ढांचे की कमी, बुनियादी सुविधाओं और गतिशीलता की बाधाओं के बारे में उनकी शिकायतों को जल्द से जल्द दूर किया जाएगा। डीडीसी अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि सड़क संपर्क बेहतर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक अवसरों के द्वार खोलेगा, जिससे अंततः गोडल पंचायत के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

अपने दौरे के दौरान कर्नल महान सिंह ने स्थानीय लोगों के सामने आने वाली दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों को भी ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों के साथ उनकी चिंताओं को उठाने का वादा किया।

साइकिल फॉर चेंज क्लब ने युवा सेवाओं एवं खेल मंत्री को साइक्लिंग संबंधित सौंपा ज्ञापन

कठुआ 08 फरवरी (हि.स.)। साइकिल फॉर चेंज क्लब कठुआ ने युवा सेवा और खेल मंत्री जम्मू-कश्मीर सतीश शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सरकार से क्षेत्र में साइक्लिंग बुनियादी ढांचे में सुधार करने का आग्रह किया गया।

रविवार को एक निजी कार्यक्रम में कठुआ के बरनोटी में पहुंचे युवा सेवा एवं खेल मंत्री जम्मू-कश्मीर सतीश शर्मा को साइकिल फॉर चेंज क्लब कठुआ ने साइक्लिंग संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जम्मू-कश्मीर में समर्पित साइक्लिंग ट्रैक, बेहतर सड़क सुरक्षा और प्रतिस्पर्धी साइक्लिंग स्पर्धाओं के लिए एक साइक्लिंग अकादमी के संबंध में उल्लेख किया गया था। इसी प्रकार क्लब द्वारा और भी कई पहलों का प्रस्ताव दिया गया जिसमें रेडियो

स्टेशन से सावन चॉक गुरुद्वारा, मूनलाइट थिएटर, मुख्य बाजार, कोर्ट रोड, महिला डिग्री कॉलेज, टांगरी तक नए साइक्लिंग ट्रैक का निर्माण, मौजूदा सड़कों का सुधार, साइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर एक साइक्लिंग दस्ता, जिला स्तर पर एक खेल सलाहकार समिति और साइक्लिंग प्रचार गतिविधियां शामिल हैं। वहीं मंत्री सतीश शर्मा ने धैर्यपूर्वक बात सुनी और क्लब के सदस्यों को आश्वासन दिया कि साइक्लिंग ट्रैक मेरी प्राथमिकता है और बहुत जल्द हम इसे शुरू करेंगे। क्लब के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि साइकिलिंग में पर्यटन को बढ़ावा देने, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और जम्मू-कश्मीर में यातायात की भीड़ को कम करने की अपार संभावनाएं हैं। दूसरी तरफ क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमांडर अमित खजूरिया ने सरकार से क्षेत्र में साइकिलिंग के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने और एक खेल के रूप में साइकिलिंग के विकास का समर्थन करने का आग्रह किया। जबकि प्रवक्ता मनिंदर सिंह ने मंत्री से शिकायतों के समाधान के लिए कठुआ में एक पीआरओ कार्यालय खोलने का अनुरोध किया। क्लब को उम्मीद है कि ज्ञापन सरकार को कार्रवाई करने और जम्मू-कश्मीर में साइकिल चालकों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित करेगा। प्रतिनिधिमंडल में एडवोकेट राहुल शर्मा, उपाध्यक्ष नरिंदर, महासचिव दीप शर्मा और विशाल मौजूद रहे।

देविका की पवित्रता को भंग करने का कौन है जिम्मेदार

जम्मू,, 9 फ़रवरी (हि.स.)। शिव नगरी पुरमंडल में इन दिनों पवित्र देविका नदी गंदगी से पट चुकी है। दरअसल लोग देविका जिसे गुप्त गंगा भी कहा जाता है में कई प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान व कर्मकांड आदि करवाने के लिए यहां आते है जबकि यहां होने वाले कर्मकांड में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री वो पॉलीथिन के लिफाफो में लेकर आते है और उस समग्री का उपयोग करने के उपरांत वो पॉलीथिन को वहीं पर फैंक देते है ऐसे में लगातार देविका दूषित हो रही है।

बता दें कि कुछ वर्ष पूर्व सरूंसर मानसर डेवेल्पमैंट अथारिटी ने देविका में कई स्थानों पर डस्टबिन स्थापित किए थे ताकि लोग गंदगी को वहां पर डाले लेकिन आज वो डस्टबिन ही वहां से गायब हो चुके है। ऐसे में अब प्रषासन को चाहिए कि वो पुरमंडल में देविका की सफाई के लिए अभियान चलाये और इसकी पवित्रता को बताये रखने के लिए यहां पर डस्टबिन आदि स्थापित करे जिससे देविका को दूषित होने से बचाया जा सके।

इल्तिजा मुफ्ती ने बिलावर कठुआ के मारे गए माखन दीन के परिवार से मुलाकात की

श्रीनगर, 09 फरवरी (हि.स.)। इल्तिजा मुफ्ती रविवार को माखन दीन के शोकाकुल परिवार से मिलने कठुआ के बिलावर पहुंचीं जिसने कथित तौर पर पुलिस की यातना के बाद आत्महत्या कर ली गई थी।

इस बीच घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जिम्मेदारी से बचने और इसके बजाय उपराज्यपाल पर दोष मढ़ने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की।

एक्स पर एक पोस्ट में महबूबा मुफ्ती ने लिखा कि आखिरकार इल्तिजा माखन दीन के शोकाकुल परिवार से मिलने कठुआ के बिलावर पहुंचने में सफल रहीं जिन्हें पुलिस की यातना के कारण आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यह बेहद दुखद है कि उन्हें पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए इतनी सारी बाधाओं को सहना पड़ा और एक भगोड़े की तरह यात्रा करनी पड़ी।

काजी मोहरा गुंडी में एक दुकान में लगी आग

जम्मू,, 9 फ़रवरी (हि.स.)। पुंछ के काजी मोहरा गुंडी में एक दुकान में आज तड़के आग लग गई। बताया जा रहा है कि जाविद अहमद पुत्र मोहम्मद सलीम की दुकान में सुबह करीब 3 बजे आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया। जबकि दमकल विभाग ने आग बुझाने के प्रयास सुबह तक जारी रहे। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

12 फरवरी बुधवार को माघ दिवा और रात्रि पूर्णिमा का व्रत

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। माघ पूर्णिमा सनातन धर्म में विशेष महत्व रखती है। माघ पूर्णिमा के विषय में श्रीकैलख ज्योतिष एवं वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य ने बताया कि माघ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को माघ पूर्णिमा कहा जाता है। इस वर्ष माघ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 11 फरवरी मंगलवार को शाम 06 बजकर 56 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 12 फरवरी बुधवार शाम 07 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी। माघ दिवा और रात्रि पूर्णिमा व्रत 12 फरवरी बुधवार को ही होगा। इस वर्ष माघ पूर्णिमा व्रत का उद्यापन (मोख) 12 फरवरी बुधवार को कर सकते हैं। इस दिन भगवान श्रीसत्यनारायण जी भगवान की कथा पढ़ना अथवा सुनना या पूजा करवाना बेहद शुभ होता है।

रोमांचक मुकाबलों के साथ 9वीं जिला हैंडबॉल चैंपियनशिप संपन्न

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। सीनियर पुरुष एवं महिला तथा जूनियर लड़के एवं लड़कियों के लिए तीन दिवसीय 9वीं जिला हैंडबॉल चैंपियनशिप रविवार को शास्त्री नगर के प्लेफील्ड में संपन्न हुई जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा और उत्साही भागीदारी देखने को मिली।

जम्मू एवं कश्मीर हैंडबॉल एसोसिएशन के सहयोग से प्लेयर्स एसोसिएशन हैंडबॉल जम्मू द्वारा आयोजित और जम्मू एवं कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा प्रायोजित इस चैंपियनशिप में युवा और वरिष्ठ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर शिरकत की और खिलाड़ियों को समर्पण के साथ प्रतिस्पर्धा करने और सच्ची खेल भावना को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू एवं कश्मीर खेल प्रतिभाओं से समृद्ध है और इसके एथलीटों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। नीतू रंधावा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं जबकि अश्विनी कुमार रैना (अध्यक्ष, जेएंडके हैंडबॉल एसोसिएशन), राजेश कपूर (उपाध्यक्ष), राजेश चंदन (महासचिव), संजीव जम्वाल (कोषाध्यक्ष) और शिव अरोड़ा सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भी इस आयोजन का समर्थन करने के लिए मौजूद थे।

चैंपियनशिप में विभिन्न श्रेणियों में रोमांचक फाइनल मैच देखने को मिले। जूनियर गर्ल्स सेक्शन में संपर्क हैंडबॉल क्लब ने जम्मू क्लब के खिलाफ 8-6 के करीबी स्कोर के साथ जीत हासिल की। जूनियर बॉयज कैटेगरी में संदीप पाल क्लब ने एक रोमांचक मुकाबले में वितस्ता क्लब को 16-14 से हरा दिया। सीनियर महिला फाइनल में जम्मू क्लब ने वितस्ता क्लब पर 12-11 की मामूली जीत हासिल की जबकि सीनियर पुरुष वर्ग में संदीप पाल क्लब ने जम्मू क्लब को 16-14 के करीबी स्कोर के साथ हराया।

मैचों का संचालन अनुभवी रेफरी द्वारा किया गया जिनमें अनुज लंगर, उत्कर्ष रैना, साहिल पाधा, पारतीक बजाज, हरमनदीप कौर और साइना लोच शामिल थे।

नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का आह्वान किया

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ते नशीली दवाओं के संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र अपनी छिद्रपूर्ण सीमाओं और रणनीतिक स्थान के कारण मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख पारगमन बिंदु बना हुआ है।

अरनिया में एक पार्टी की बैठक में बोलते हुए केसरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जहाँ दोषसिद्धि दर और संपत्ति जब्ती में वृद्धि हुई है वहीं नशीली दवाओं की उपलब्धता और दुरुपयोग एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

केसरी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई आक्रामक कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2024 में जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं के तस्करों के लिए दोषसिद्धि दर 54 प्रतिशत तक पहुँच गई जो एक महत्वपूर्ण सफलता है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उसी वर्ष 12.04 करोड़ रूपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई जिसमें 50 करोड़ रूपये की संपत्ति जब्ती प्रक्रियाओं से गुजर रही है।

उन्होंने कहा कि ये प्रयास अवैध नशीली दवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने वाले वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वाधान में कालाकोट में होगी श्रीराम कथा कार्यक्रम

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वाधान में समस्त कालाकोट निवासियों के सौजन्य से भव्य एवं दिव्य श्रीराम कथा कार्यक्रम 12 से 16 फरवरी, 2025 प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक, आर्मी ग्राउंड, कालाकोट, जिला राजौरी में आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी श्री शिव मन्दिर, कालाकोट में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु पहुंचे संस्थान के प्रचारक मंडल स्वामी सुचेतानंद, स्वामी महेश्वरानंद द्वारा प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या भारत विख्यात मानस मर्मज्ञ कथा व्यास साध्वी गरिमा भारती जी अनेकों साध्वियों के साथ कालाकोट में पधार रही है। मंच पर कथाव्यास जी के साथ अनेकों साधु साध्वियां विराजमान होकर दिव्य संगीत से भक्तों को आनंदित व जागरूक करेंगे। प्रतिदिन कथा का प्रारंभ प्रभु चरणों में पूजन वंदन से और पावन श्री आरती के साथ कथा का समापन किया जाएगा। कथा कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन लंगर प्रसाद की विशेष व्यवस्था सभी संगत के लिए की जाएगी इस भव्य आयोजन में कथा व्यास जी के द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विचार दिए जाएंगे।

नटरंग ने रविवार को विचारोत्तेजक नाटक यमराज का निमंत्रण का मंचन किया

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। नटरंग थिएटर ने अपने साप्ताहिक संडे थिएटर सीरीज के तहत रविवार को स्टूडियो थिएटर में हिंदी नाटक यमराज का निमंत्रण प्रस्तुत किया जिसने दर्शकों को सत्ता, अहंकार और जीवन की कठोर वास्तविकता के बीच की बारीक रेखा पर सोचने पर मजबूर कर दिया। नीरज कांत द्वारा निर्देशित इस नाटक ने आत्म-धोखे के परिणामों और चापलूसी की प्रशंसा के भ्रष्ट प्रभाव पर एक शक्तिशाली सामाजिक टिप्पणी पेश की।

यमराज का निमंत्रण राजा अभिमान सिंह के चरित्र के इर्द-गिर्द केंद्रित है जो एक अभिमानी और आत्म-केंद्रित राजा है। वह मानता है कि उसका शासन उसके राज्य के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। वह कल्पना करता है कि उसके बिना उसके लोग अराजकता में डूब जाएंगे। उसकी रानी, मंत्री और शाही पुजारी की लगातार चापलूसी से उसका भ्रम बढ़ता है जो सभी उसकी अत्यधिक प्रशंसा करते हैं जिससे उसका विश्वास मजबूत होता है कि वह अचूक है।

साहिब बंदगी द्वारा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 9 फ़रवरी । साहिब बंदगी के सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने आज कबीर साहिब के अंतर्ध्यान दिवस के उपलक्ष्य पर रखबंधु में अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा से संगत को निहाल करते हुए कहा कि संसार में बहुत सारे भक्त हुए, भक्ति तो की, पर भक्ति को नहीं जान पाए।

भक्ति का मतलब ही भग से दूर होना है। 14 लोक भग में हैं। कोई भी इससे बच नहीं पाता है। दुनिया में इसी पर बहुत ही लड़ाईयाँ हुई हैं। इसी के लिए महाभारत हुआ। इसी के लिए राम रावण युद्ध हुआ। केवल मानव ही नहीं, अन्य प्राणी भी इस चीज के लिए एक दूसरे को मार देते हैं। जब गाय रजोवृत्ति में आती है तो कई बैल उसके पीछे आते हैं। फिर वो एक-दूसरे से लड़ते हैं। शेर भी यही करते हैं। यही बात कुत्ते भी करते हैं।

कबीर साहिब ने कभी शादी नहीं की, पर लोगों ने बड़ी बातें बनाईं। लोई को उनकी स्त्री बनाया। लोई ज्ञान को कहते हैं। वो कह रहे हैं कि सुनो जन लोई। वो माया का शरीर लेकर संसार में नहीं आए थे। वो स्वयं प्रगट हुए और जाते समय भी उसका शरीर नहीं मिला था।

इसलिए कबीर साहिब का केवल अंतर्ध्यान दिवस है। मृत्यु दिवस नहीं है। अन्य किसी का भी अंतर्ध्यान दिवस नहीं है। सभी संतों ने कबीर साहिब के लिए बहुत कुछ कह दिया। पर गरीबदास जी ने और दादूदयाल जी ने बहुत गजब कह दिया।

बोला कि बहुत से संत कुँए की तरह हैं। बहुत से संत नदी की तरह हैं। पर सत्य कबीर साहिब समुद्र हैं।

एक बार दादू दयाल जी की सभा लगी हुई थी। सत्संग कर रहे थे। उन्होंने पूछा कि जो कबीर साहिब को देखा हो, वो हाथ खड़ा करो। एक बूढ़ा उठा, बोला कि मैंने देखा है। दादू दयाल ने पूछा कि तुमने कैसे देखा। बोला कि मेरे दादा कबीर साहिब के भक्त थे और काशी नरेश की सेना में थे। मुझे साथ ले जाते थे। एक दिन मैंने देखा तो कबीर साहिब जहाँ बैठे थे, उनके पीछे की तरफ सबकुछ दिख रहा था। मैं फिर पीछे की तरफ गया तो आगे सब आर-पार दिख रहा था। दादू दयाल ने अपने शिष्यों से कहा कि पानी लाओ। दादू दयाल ने उस बूढ़े की आँखों को धोया और पी लिया। उनके शिष्यों ने कहा कि यह क्या। बोला कि उन धन्य हैं वो आँखें जिन्होंने कबीर साहिब को देखा।

साहिब जी ने कहा कि मैं किसी भी भक्ति के खिलाफ नहीं हूँ। आपको जो साहिब का सत्य नाम मिला, उसमें आपके पूर्वजों में किसी ने साहिब की भक्ति की थी।

वेद मंदिर में राजपूत परियोजना महिला सम्मेलन का आयोजन किया

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। सामाजिक मूल्यों की रक्षा और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने के उद्देश्य से माधव सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में धर्म जागरण समन्वय द्वारा आज वेद मंदिर प्रांगण, अम्बाफल, जम्मू में राजपूत परियोजना महिला सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य राजपूत समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण चिंताओं जैसे धर्मांतरण, लव जिहाद और घटती जनसंख्या दर पर विचार-विमर्श करना था।

प्रसिद्ध सामाजिक चिंतक सुरेखा चारक ने सम्मेलन की अध्यक्षता की जबकि किश्तवाड़ की विधायक शगुन परिहार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

धर्म जागरण उत्तर क्षेत्र प्रभारी राकेश त्यागी मुख्य वक्ता थे जिन्होंने समाज में एकता, सामाजिक जागरूकता और धार्मिक संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मातृशक्ति का भव्य प्रदर्शन हुआ जब वेद मंदिर से एक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान 'भारत माता की जय, जय शिवाजी, जय भवानी, जय श्री राम' जैसे देशभक्ति और सांस्कृतिक नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। यह यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। सभा को संबोधित करते हुए राकेश त्यागी ने जातिगत भेदभाव को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया जो धर्मांतरण के पीछे एक प्रमुख कारण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जातिगत भेदभाव समाज की एकता को कमजोर करता है और विभाजन को बढ़ावा देता है जिससे अवसरवादी शक्तियां लाभ उठाती हैं। उन्होंने राजपूत समुदाय से अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया और युवाओं में इन आदर्शों को स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अटल जी की विचारधारा, प्रतिबद्धता, राजनीतिज्ञता लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है: सत शर्मा

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। अटल जी की यादें हमारे दिलों में बहुत महत्व रखती हैं। अटल जी की विचारधारा, प्रतिबद्धता और राजनीतिज्ञता लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है यह बातें प्रदेश भाजपा के प्रधान सत शर्मा कहीं। उन्होंने कहा कि देश भर में लोग विशेषकर सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां उनके अमूल्य योगदान के लिए उनका अनुसरण करते हैं।

जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा ने एडवोकेट चंद्र मोहन शर्मा को सम्मानित किया। संगठन के प्रति उनकी समर्पित सेवाओं और भारत के पूर्व प्रधान मंत्री और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ उनके करीबी संबंधों के लिए वह भाजपा के एक वरिष्ठ नेता हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिला जम्मू के अध्यक्ष राजेश गुप्ता, रीमा पाधा, रणजोध सिंह नलवा, सुनीत रैना और अन्य भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सत शर्मा ने कहा कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी का जन्म शताब्दी वर्ष मना रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित होने जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेता अटल जी के साथ काम करने वाले समाज और संगठन के प्रमुख लोगों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रमोहन शर्मा बचपन से ही देश, समाज और संगठन के लिए समर्पित रहे और अपने सक्रिय राजनीतिक जीवन तक अटल जी के लगातार संपर्क में रहे। सत शर्मा ने कहा कि पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री के साथ उनके लंबे जुड़ाव और संगठन के प्रति उनकी सेवाओं की सराहना करती है।

राजौरी के सुदूर गांवों में चिकित्सा गश्ती की

जम्मू, 9 फ़रवरी (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण मानवीय प्रयास में भारतीय सेना ने राजौरी जिले के कटेनार और मंगोटा में चिकित्सा गश्ती की जिससे दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस पहल से कुल 35 नागरिकों को लाभ हुआ जिसका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सीधे बुनियादी चिकित्सा उपचार प्रदान करना था जिससे चिकित्सा सुविधाओं से दूर रहने वाले समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो सके।

वंचित क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता प्रदान करके भारतीय सेना स्थानीय आबादी के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखती है जिससे विश्वास और सद्भावना बढ़ती है। यह पहल राष्ट्र की सेवा करने और स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के लिए सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है खासकर उन दुर्गम क्षेत्रों में जहां चिकित्सा संसाधन कम हैं। चिकित्सा गश्ती का निवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया है

एचआईएसआई ने 75 छात्रों को प्रमाण पत्र किए वितरित

जम्मू, 9 फरवरी (हि.स.)। शिक्षा और सामुदायिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए एनजीओ 'स्वस्थ भारत सशक्त भारत' (एचआईएसआई) के अध्यक्ष हीरा लाल अबरोल ने जम्मू के रघुनाथपुरा में एनजीओ के कौशल विकास केंद्र में विभिन्न कौशल विकास पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 75 छात्रों के बीच प्रमाण पत्र और नोटबुक वितरित किए।

इस कार्यक्रम में के.के. गुप्ता (डीआईजी सेवानिवृत्त), दलबीर सिंह (प्रधानाचार्य सेवानिवृत्त), विनोद मन्हास और अशोक खजूरिया के साथ-साथ समर्पित स्टाफ के सदस्य भी शामिल हुए जिन्होंने छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता दी। निःशुल्क प्रशिक्षित छात्रों के पास अब स्वतंत्र आजीविका बनाने के लिए आवश्यक कौशल हैं जो आत्मनिर्भरता और वित्तीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हीरा लाल अबरोल के दूरदर्शी नेतृत्व में एचआईएसआई अपने निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को कौशल विकास के अवसर प्रदान करके जीवन बदल रहा है। एनजीओ सिलाई, ब्यूटीशियन कोर्स, कंप्यूटर साक्षरता, संगीत और नृत्य में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करता है और यहां तक कि एक निःशुल्क पुस्तकालय भी प्रदान करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी योग्य छात्र पीछे न छूट जाए चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो।

इस अवसर पर बोलते हुए अबरोल ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवा व्यक्तियों को सशक्त बनाने में कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्व हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे एचआईएसआई द्वारा प्रदान किए गए अवसर का लाभ उठाएं और अपने कौशल का उपयोग करके एक उज्जवल भविष्य को सुरक्षित करें। उन्होंने दोहराया कि सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। निरंतर सीखने और समर्पण के माध्यम से कोई भी चुनौतियों से ऊपर उठ सकता है और महान ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

एचआईएसआई के प्रयास प्रशिक्षण से कहीं आगे तक फैले हुए हैं। संगठन छात्रों को अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने में सक्रिय रूप से सहायता करता है। अबरोल ने छात्रों के लिए ऋण सुविधाओं की उपलब्धता पर भी चर्चा की जिससे उन्हें अपने कौशल को स्थायी व्यवसायों में बदलने में मदद मिलती है। उन्हें आवश्यक उपकरणों से लैस करके एचआईएसआई न केवल शिक्षित कर रहा है बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि उसके छात्र आत्मविश्वास के साथ कार्यबल में कदम रखें। अपने पाठ्यक्रमों के सफल समापन के साथ इस कार्यक्रम में सम्मानित किए गए 75 छात्र एचआईएसआई के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभान्वित हुए 7,000 से अधिक व्यक्तियों के बढ़ते समुदाय में शामिल हो गए हैं। इनमें से कई स्नातकों ने स्थिर नौकरी हासिल की है या आत्मनिर्भर उद्यमी बन गए हैं जो गरीबी के चक्र को तोड़ने में कौशल विकास की प्रभावशीलता को साबित करते हैं। शिक्षा से परे एचआईएसआई समग्र सामुदायिक कल्याण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संपादकीय

सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकना चुनौतीपूर्ण कार्य

जम्मू और कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकना बहुत जरूरी है क्योंकि राष्ट्र विरोधी और असामाजिक तत्व इस सुविधा का फायदा उठाकर अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को आसानी और सुविधा के साथ संवाद करने में मदद करना है।

चूंकि स्मार्ट फोन ने विभिन्न अनुप्रयोगों और सुविधाओं के साथ समाज पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया है, इसलिए सिम कार्ड के साथ इन फोन का दुरुपयोग सुरक्षा एजेंसियों के लिए सिरदर्द बन गया है क्योंकि सिम कार्ड और स्मार्टफोन का संयोजन हाल ही में खतरनाक हो गया है क्योंकि आतंकवादी इस संयोजन का उपयोग करके शांति को बाधित करने या देश के खिलाफ साजिश रचने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस के लिए सिम कार्ड और स्मार्ट फोन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना एक आवश्यकता बन गई है क्योंकि अगर इनका दुरुपयोग अनियंत्रित रूप से होने दिया गया तो ये सुविधाएं हानिकारक साबित हो सकती हैं।

कथित तौर पर, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यूटी में एक अभियान शुरू किया है ताकि सिम कार्ड विक्रेताओं द्वारा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके ताकि अनधिकृत रूप से सिम कार्ड जारी करने और उनका दुरुपयोग रोका जा सके क्योंकि पिछले एक साल में 30 से अधिक लोगों को उनके नाम पर सिम कार्ड खरीदने और उन्हें गैरकानूनी गतिविधियों के लिए आतंकवादियों को सौंपने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

जो बात परेशान करने वाली है वह यह है कि न केवल आतंकवादी बल्कि वित्तीय घोटालेबाज भी इन दिनों सेल फोन उपयोगकर्ताओं को बुरे सपने दे रहे हैं और पुलिस को इस मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि कई सेल फोन उपयोगकर्ता ऑनलाइन घोटालेबाजों द्वारा धोखा दिए गए हैं, जिन्होंने सक्रिय सेल फोन पर तकनीक के दुरुपयोग और चालों के माध्यम से कड़ी मेहनत की कमाई लूट ली है। इस पहलू को देखते हुए, यह आवश्यक हो गया है कि आतंकवाद से निपटने के अलावा, पुलिस को वित्तीय धोखाधड़ी में सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बेशक, पुलिस द्वारा गलत काम करने वाले सिम कार्ड विक्रेताओं पर शिकंजा कसने के लिए उठाया गया कदम सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए बुनियादी कदम है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उच्च तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके नेटवर्क की निगरानी करना, ताकि राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों द्वारा इस तकनीक का दुरुपयोग करने की गुंजाइश लगभग नगण्य हो जाए, क्योंकि यह देश के साथ-साथ लोगों, विशेषकर कमजोर समुदायों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?

-प्रियंका सौरभ

हरियाणा में एक कहावत है, बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे? हालांकि यह मान लेना गलत है कि सभी बेटियाँ भावी दुल्हन हैं, फिर भी यह मुहावरा एक ऐसे राज्य में लिंग-चयनात्मक गर्भपात के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित करने में प्रभावी है, जो दशकों से बेटियों की कमी से जूझ रहा है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आय में प्रगति के बावजूद भारत का जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) कम बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) द्वारा एसआरबी को प्रति 1,000 लड़कों पर 929 लड़कियाँ बताया गया। यह एनएफएचएस-4 (2015-16ः प्रति 1,000 लड़कों पर 919 लड़कियाँ) की तुलना में थोड़ा सुधार है, लेकिन यह अभी भी एक निरंतर लिंग पूर्वाग्रह दिखाता है। ऐतिहासिक रूप से कुछ राज्यों में, विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी भारत में अधिक विषम अनुपात रहे हैं।

1994 के गर्भाधान पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम के बावजूद, जन्मपूर्व लिंग निर्धारण तकनीकों द्वारा लिंग-पक्षपाती लिंग चयन संभव हो गया है। धनी आर्थिक समूहों और उच्च जातियों में पुरुषों के प्रति झुकाव वाली एसआरबी की दर अधिक है, जो यह दर्शाता है कि मौद्रिक प्रोत्साहन अकेले पर्याप्त निवारक नहीं हो सकते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लागू होने के बाद से हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में एसआरबी में सुधार हुआ है। दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट आ रही है, जिन्हें आमतौर पर बेहतर लिंग अनुपात के लिए जाना जाता है। यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। हालाँकि दिल्ली के आसपास के राज्यों में सुधार हुआ है, लेकिन दिल्ली में भी एसआरबी में गिरावट देखी गई है। जबकि यहाँ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए बुनियादी लक्ष्य और रणनीतियाँ थीं।

पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और अधिक सख्ती से लागू करके लिंग के आधार पर लिंग चयन को प्रतिबंधित करना होगा। लड़कियों की शिक्षा, सुरक्षा और जीवन रक्षा को बढ़ाना होगा। बाल विवाह में देरी करना और महिलाओं की शैक्षिक प्राप्ति को बढ़ाना जरूरी है। पितृसत्तात्मक मान्यताओं से निपटने के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। लिंग-चयनात्मक गर्भपात को रोकने के लिए, पीसीपीएनडीटी अधिनियम को मजबूत किया जाना चाहिए। वित्तीय प्रोत्साहन जैसे कि हरियाणा के लाडली और आपकी बेटी हमारी बेटी जैसे कार्यक्रम परिवारों को लड़कियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शैक्षिक सशक्तिकरण, छात्रवृत्ति और बुनियादी ढांचे के समर्थन के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा के लिए धन मुहैया कराना प्रभावी कदम है। उच्च विषमता वाले क्षेत्रों के बाहर सीमित प्रभावशीलता बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का प्रभाव अलग-अलग है; कुछ दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में एसआरबी में गिरावट देखी जा रही है। इसका मतलब है कि उच्च विषमता वाले राज्यों में केंद्रित हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं हैं।

बेटे को प्राथमिकता देने वाले सामाजिक मानदंडों में यह कथन शामिल है कि बेटी की परवरिश पड़ोसी के बगीचे में पानी देने जैसा है। दृष्टिकोण बदलने के लिए सिर्फ़ वित्तीय प्रोत्साहन से ज़्यादा की ज़रूरत है। कम महिला श्रम शक्ति भागीदारी अभी भी दुनिया में सबसे कम है, यहाँ तक कि बेहतर शैक्षिक मानकों के साथ भी। आर्थिक असुरक्षा का अनुभव करने वाली महिलाएँ पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं का विरोध करने में कम सक्षम हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत वेतन समानता के मामले में वैश्विक स्तर पर 127वें स्थान पर है, जहाँ पुरुषों द्वारा अर्जित प्रत्येक 100 रुपये के लिए महिलाएँ केवल 39.8 रुपये कमाती हैं। सशर्त नकद प्रोत्साहन (जैसे, सशर्त नकद हस्तांतरण) प्रणालीगत परिवर्तन के बजाय नीति का केंद्र बिंदु हैं। लाडली योजना द्वारा लैंगिक पूर्वाग्रह के अंतर्निहित कारणों को दूर नहीं किया गया है। रोजगार, संपत्ति के अधिकार और वित्तीय स्वायत्तता के क्षेत्रों में संरचनात्मक परिवर्तन प्राप्त करने के लिए, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को कैचफ्रेज़ से आगे बढ़ना चाहिए।

लिंग-संवेदनशील नीतियों को मजबूत किया जा रहा है। लड़कियों को बचाने के बजाय, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को नेतृत्व, वित्तीय समावेशन और रोजगार में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्रोत्साहन देकर अधिक महिलाओं को उद्यमिता और करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें। रोजगार अंतराल और वेतन असमानताओं को संबोधित करें लैंगिक वेतन अंतर को कम करने के लिए समान वेतन कानून लागू करें। मातृत्व लाभ, लचीले कार्य कार्यक्रम और चाइल्डकैअर सहायता प्रदान करके अधिक लोगों को काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रवर्तन को बढ़ाना, डायग्नोस्टिक क्लीनिकों की निगरानी करना और अवैध लिंग निर्धारण के खिलाफ सख्त कदम उठाना कानूनी और सामाजिक सुधारों को मजबूत करने के सभी तरीके हैं। सरकार के स्थानीय स्तर पर जवाबदेही प्रणाली को मजबूत करें। संपत्ति और विरासत पर महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करें।

उत्तराधिकार अधिकारों को न्यायसंगत बनाए रखें, खास तौर पर उन क्षेत्रों में जहाँ बेटियों को अभी भी समान संपत्ति का स्वामित्व नहीं दिया जाता है। महिलाओं को परिवारों में एक साथ संपत्ति रखने के लिए प्रोत्साहित करें। समुदाय द्वारा संचालित व्यवहार और जुड़ाव में बदलाव लाएं। स्थानीय नेताओं के माध्यम से जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़े। शिक्षकों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रभावशाली सदस्यों को पितृसत्तात्मक परंपराओं का विरोध करने के लिए प्रोत्साहित करें। लैंगिक समानता के बारे में बातचीत में अधिक पुरुषों को शामिल करें। बेटियों के मूल्य की कहानी को बदलने वाले अभियानों को अपना ध्यान बालिकाओं की सुरक्षा से बदलकर बालिकाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। परिवार की सफलता के लिए बेटियों को संपत्ति के रूप में उत्थानकारी संदेशों को प्रोत्साहित करें। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बेटे को प्राथमिकता देने के मुद्दे पर सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई है, लेकिन अपर्याप्त कार्यान्वयन और निगरानी के कारण, यह अपने वर्तमान स्वरूप में अपने मुख्य लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहा है।

जिला और राज्य स्तर की बैठकों की कमी के कारण योजना पिछले कुछ वर्षों में बनी गति खो रही है। इसलिए जिला और राज्य स्तर पर कार्य समितियों का प्रतिनिधित्व समुदाय स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए, महिला छात्राओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों, जैसे शौचालयों की कमी, के बारे में जागरूक होना चाहिए और प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली होनी चाहिए, जो यह दिखाए कि योजनाएँ अपने लक्ष्यों की दिशा में कितनी अच्छी तरह काम कर रही हैं। भारत में, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ लिंग आधारित भेदभाव को दूर करने के लिए एक उल्लेखनीय नीतिगत हस्तक्षेप रहा है। हालाँकि इसने कुछ क्षेत्रों में एसआरबी के सुधार में योगदान दिया है, लेकिन महिलाओं की आर्थिक उन्नति में निहित पितृसत्तात्मक मान्यताओं और संरचनात्मक बाधाओं के कारण इसका प्रभाव अभी भी सीमित है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि महिलाओं को पुरुषों के समान आर्थिक, सामाजिक और कानूनी अवसरों तक समान पहुँच हो, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को अपनी संरक्षणवादी रणनीति को अधिकार-आधारित सशक्तिकरण पर केंद्रित रणनीति से बदलना होगा। तभी हम सशर्त प्रोत्साहनों से आगे बढ़ पाएंगे और स्थायी समानता प्राप्त कर पाएंगे, जिससे लिंग अंतर कम हो जाएगा। सांस्कृतिक मान्यताओं में गहराई तक समाए होने के कारण अक्सर महिलाओं को सशक्त बनाने वाले कानूनों को लागू करना मुश्किल हो जाता है, जैसे संपत्ति के स्वामित्व का अधिकार, स्थानीय नेताओं और प्रभावशाली लोगों के नेतृत्व में समुदाय की भागीदारी की आवश्यकता होती है ताकि पितृसत्तात्मक मानदंडों पर सवाल उठाया जा सके और उन्हें बदला जा सके। हालाँकि इसके लिए नारेबाज़ी और सशर्त नकद प्रोत्साहनों की तुलना में अधिक सूक्ष्म प्रयासों की आवश्यकता होती है, लेकिन बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम रही है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दिल्ली में भाजपा की जीत और आप की हार के सियासी मायने

कमलेश पांडेय

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में विगत 12 वर्षों से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी आप की हार और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा की जीत के सियासी मायने दिलचस्प हैं। इसके राजनीतिक असर भी दूरगामी होंगे। क्योंकि एक तरफ जहां भाजपा की जीत से केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए की एकजुटता मजबूत होगी, वहीं देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में बिखराव को बढ़ावा मिलेगा। ऐसा इसलिए कि इंडिया गठबंधन की अगुवा पार्टी कांग्रेस ने दिल्ली में अपने पूर्व गठबंधन सहयोगी आप, जो दिल्ली में लंबे समय से सत्तारूढ़ थी, उसे हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे कांग्रेस ने आप से जहां अपना पुराना सियासी हिसाब बराबर कर लिया, वहीं अपनी खोई राजनीतिक जमीन हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाए। अब उसमें इस बात की भी उम्मीद जगी है कि 2030 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब भाजपा से उसका सीधा मुकाबला होगा तो उसकी स्थिति और मजबूत होगी और उसका खोया जनाधार लौट जाएगा।

2010 के दशक के शुरुआती सालों में पूर्व नौकरशाह अरविंद केजरीवाल समेत आप के कतिपय प्रमुख नेताओं के द्वारा लोकप्रिय समाजसेवी अन्ना हजारे को आगे करके इंडिया अगेंस्ट करप्शन नामक एनजीओ के तत्वावधान में कांग्रेस की तत्कालीन डबल इंजन सरकार यानी मनमोहन सिंह सरकार और शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ जो भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम चलाई गई, उससे 2013 में दिल्ली में 15 वर्षों से सत्तारूढ़ शीला दीक्षित सरकार और 2014 में केंद्र में 10 वर्षों से सत्तारूढ़ मनमोहन सिंह सरकार का सफाया हो गया था। एनजीओ के बैनर तले शुरू हुए इस आंदोलन की देशव्यापी लोकप्रियता से उत्साहित समाजसेवियों ने आम आदमी पार्टी यानी आप का गठन कर दिल्ली विधानसभा चुनाव में दावेदारी पेश की। तब तक अन्ना हजारे की आड़ में अरविंद केजरीवाल ने अपनी सामाजिक आभा इतनी चमका ली थी कि उनकी नवगठित पार्टी आप ने कांग्रेस की पूरी और भाजपा की कुछ-कुछ राजनीतिक जमीन हड़प ली।

यदि गौर किया जाए तो 2013 में जब आप ने धर्मनिरपेक्षता की आड़ में उसी कांग्रेस के सहयोग से भाजपा विरोधी गठबंधन सरकार का गठन किया, जिसका विरोध करके वह चुनाव जीती थी और त्रिशंकु विधानसभा की नौबत आई थी। कांग्रेस की इस एक मात्र भूल ने 2015 के मध्यावधि चुनाव में जहां उसका सफाया कर दिया, वहीं आप की ओर मुस्लिम मतदाताओं के बढ़े रुझान से उसे रिकॉर्ड जीत मिली। क्योंकि भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति देने के नाम पर दलितों, पिछड़ों और सवर्णों के अलावा पूर्वांचलियों और पहाड़ियों के साथ-साथ दिल्ली के पंजाबियों-बनियों ने भी आप का साथ दिया। इससे भाजपा भी भौंचक्की रह गई, क्योंकि 2014 में ही उसने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश फतह किया था।

वहीं, 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी आप की लोकप्रियता थोड़ी कम हुई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले काफी यादा रही। इसके बाद जब आप ने पंजाब में कांग्रेस को, दिल्ली नगर निगम चुनाव में भाजपा को जबरदस्त शिकस्त दी तो कांग्रेस किंकर्तव्यविमूढ़, लेकिन भाजपा चौकन्नी हो गई। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने यूपी, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा समेत अन्य रायों में भी अपने पांव पसारने शुरू कर दिए। उन्होंने 2023 में आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी दिलवा दिया। कांग्रेस, भाजपा और जनता पार्टी/जनता दल जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के बाद आप एक ऐसी पहली क्षेत्रीय पार्टी बनी जिसने एक के बाद दूसरे राय यानी दिल्ली के बाद पंजाब में भी अपनी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बना ली।

इससे दूरदर्शी भाजपा नेतृत्व सजग हो गया। अरविंद केजरीवाल हर बात में उपरायपाल और प्रधानमंत्री को निशाना बनाते रहते थे। इस बीच लोकसभा चुनाव 2024 के पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने देशव्यापी इंडिया गठबंधन से जब आप की आंखमिचौली शुरू हुई, तो दिल्ली में कांग्रेस-आप में 4ः3 का समझौता हो गया, जबकि पंजाब में दोनों में दोस्ताना मुकाबला हुआ। इसमें कांग्रेस ने आप को धो दिया और पंजाब में आप से दोगुनी सीट जीत ली। तभी यह तय हो गया कि आप को यदि अपनी राजनीतिक जमीन बचानी है तो कांग्रेस से दूर जाना होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह हुआ तो जरूर, लेकिन यहां भी आप का दांव उलटा पड़ गया।

दरअसल, आप एक ऐसी पार्टी के रूप में उभर रही थी, जो भाजपा और कांग्रेस से इतर सभी व्यवहारिक मुद्दों में स्पष्ट नजरिया रख रही थी। लेकिन जब से वह भाजपा के निशाने पर आई, उसकी भी रीति-नीति बदल गई। उससे टक्कर लेने के लिए वह जिन थैलीशाहों की शरण में गई, वही आप को ले डूबे। शराब घोटाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब तक आप बिजली-पानी फ्री देने, स्कूल-अस्पताल को सुधारने आदि पर फोकस किया, तबतक लोकप्रिय बनी रही। लेकिन कोरोना काल की अवैध वसूली और अपनी कतिपय क्षेत्रवादी व अभद्र नीति से जहां वह जनता में अलोकप्रिय हुई, वहीं नीतिगत शराब घोटाले ने उसकी सरकार को ही जेल में डाल दिया। आप सरकार के मुख्यमंत्री की जेल यात्रा और पूर्व उपमुख्यमंत्री की जेल यात्रा तो महज एक बानगी रही, उसके अन्य मंत्री व सांसद भी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए और बमुश्किल जमानत पर रिहा हुए।

उधर, भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, वायु प्रदूषण, यमुना जल प्रदूषण, दिल्ली के कुछ इलाकों के नारकीय हालात आदि पर इतना फोकस किया कि लोगों को यह महसूस हुआ कि दिल्ली में आप की सरकार के रहते दिल्ली का अब और विकास नहीं हो सकता। इससे पहले भी दिल्ली के विकास का सारा श्रेय शीला दीक्षित सरकार को जाता है। वहीं, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आप को दिल्ली के लिए आपदा (आप-दा) करार दे दिया, क्योंकि यह सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण केंद्रीय योजनाओं को दिल्ली में लागू ही नहीं होने देती थी। वहीं, कानून-व्यवस्था पर केंद्र सरकार को घेरती रहती थी, क्योंकि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अंतर्गत होता है।

हालांकि, जब भाजपा ने आरएसएस के सहयोग से आप को दिल्ली की गली-कूची में घेरना शुरू किया, तब स्थिति बदलती। छठ पूजा के खिलाफ अरविंद केजरीवाल की सोच भी उनपर भारी पड़ी। कांग्रेस के खिलाफ सपा, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूटीबी आदि का समर्थन भी आप को भारी पड़ा, क्योंकि इनकी पहचान मुस्लिम परस्त और देशद्रोही पार्टी की बनती जा रही है। वहीं, दिल्ली के दंगों को, शाहीन बाग जैसे धरनों और किसान आंदोलन जैसे महानगर विरोधी आंदोलनों को प्रत्यक्ष-परोक्ष समर्थन देना भी अरविंद केजरीवाल की राजनीति को भारी पड़ी।

भाजपा ने दिल्ली के राजनीतिक दंश को दूर करने के लिए एक सुनियोजित रणनीति अपनाई, जिसमें हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक के अनुभवों को पिरोया। किसी भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की जगह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ना, वोट करना लोगों को अपील कर गया। वहीं, आप और कांग्रेस की तरह फ्रीबीज की बौछार करना भाजपा के लिए शुभ कारक रहा। क्योंकि लोगों ने मोदी की गारंटी को अहमियत दी। वहीं, बजट 2025-26 में मध्यम वर्ग को जो भारी कर राहत मिली, उससे बीजेपी के पक्ष में एक नई लहर पैदा हो गई। हालांकि, इस चुनाव में मध्यम वर्ग के मुद्दों पर प्रारम्भिक फोकस अरविंद केजरीवाल ने ही किया, लेकिन मतदान के ऐन मौके पर केंद्रीय बजट बाजीगरी दिखला कर मोदी मैदान मार ले गए और आप हाथ मलती रह गई।

दिल्ली की इस जीत का फायदा एनडीए गठबंधन को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी मिलेगा। वहीं, कांग्रेस यदि समझदारी दिखाकर इंडिया गठबंधन को पुनः मजबूत बनाती है तो वहां भी कांटे की टक्कर होगी, अन्यथा नहीं। क्योंकि वहां भी नवगठित जनसुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर के रुख पर यह निर्भर करेगा कि एनडीए या इंडिया गठबंधन में किसका पलड़ा भारी होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दिल्ली के चुनावी नतीजे ने चौंकाया नहीं

-ऋतुपर्ण दवे

दिल्ली के नतीजों को महागठबंधन की रार, तकरार या हार कहें या फिर भाजपा का आत्मविश्वास, लेकिन सच यही है कि जीत मतदाताओं की हुई है। यकीनन दिल्ली के मतदाताओं के दोनों हाथ में लड्डू थे। शायद, इसी वजह से दिल्ली में मतदाताओं ने काफी सोच-विचार कर भाजपा को चुना। हो सकता है कि इस बार केजरीवाल और उनकी टीम अपने वायदों पर खरा न उतरे या आरोपों के कुचक्र में ऐसे घिरते चले गए कि जनमानस को उनकी कथनी और करनी में तो अंतर समझ आने लगा। वहीं पुरानी घोषणाओं और भावनाओं का खेला हुआ। आम आदमी पार्टी को इस बार उसके नेताओं के पुराने भावुक भाषणों ने करारी चोट दी। जिसमें नीली वैगनआर और मुख्यमंत्री के आवास को लेकर जुमलों जैसी बातें थी। भाजपा ने भी मतदाताओं को निजी तौर पर लाभ के पिटारों और पुरानी सौगातों में वृध्दि का जो दांव खेला उसी का असर सामने है। फायदे के दौर में यादा फायदा कौन नहीं चाहेगा? भाजपा ने भी फायदों की झड़ी पर दांव लगाया तो क्या बुरा किया? इधर केजरीवाल भी अपनों से ही उलझते चले गए और गठबंधन भी बिखरता गया।

आम आदमी पार्टी को शीश महल, शराब घोटाला जैसे आरोपों ने ऐसा धराशायी किया कि आप की झाड़ू ने अपनों को साफ कर नाउम्मीद कर दिया। हालांकि भाजपा को अपना सूखा दूर करने में 27 साल लग गए। लेकिन यह सच है कि लोकसभा चुनावों के बाद दिल्ली के महज 70 सीटों के चुनाव पर देश-दुनिया की निगाहें थी। दिल्ली के चुनाव इसलिए भी बेहद खास थे कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वहां पर सरकार न बना पाना उनकी सबसे बड़ी कसक थी। यही वजह थी कि मोदी ने भी इस बार न केवल अपना दांव चला बल्कि अपने भाषणों से भी काफी कुछ संदेश देने की कोशिश की। आखिर दिल्ली में भी मोदी मैजिक पहली ही बार ही सही, चल गया। हालांकि कहा जरूर जा रहा था कि संघर्ष त्रिकोणीय होगा लेकिन नतीजे आमने-सामने के ही दिखे। कांग्रेस को जरूर इस बात पर संतोष करना होगा कि उसके वोट प्रतिशत में थोड़ा इजाफा हुआ है लेकिन यह नाकाफी है। हां यदि इण्डिया गठबन्धन यहां भी एकजुटता से लड़ता तो संभव है कि नतीजे कुछ बदले भी आ सकते थे। लेकिन यह महज कयास हैं। कुल मिलाकर इसे घोषणाओं में कौन कितना आगे रहा उसी की जीत हुई कहा जा सकता है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में भाजपा 48 सीटों के बहुमत सत्ता में आई। वहीं आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर सिमट गई। मतों के प्रतिशत के लिहाज जहां भाजपा को 45.56 तो आम आदमी पार्टी को 43.57 प्रतिशत मत मिले। अंतर भले ही कम रहा लेकिन अंकगणित के आंकड़ों ने आप को चित्त कर दिया। कांग्रेस को जरूर 2020 के मुकाबले यादा मत मिले जो 4.63 से बढ़कर 6.34 हो गए। निश्चित रूप से हरेक सीट के विश्लेषण के बाद समझ आएगा कि कांग्रेस आप के लिए कितनी वोट कटवा रही। अब भाजपा के लिए अभी तो यह जश्न का दौर है लेकिन जनता से किए गए वायदों पर भी खरा उतरना होगा। निश्चित रूप से मुफ्त की रेवड़ी की बहार और वायदों में बरकरार रहने वाली पार्टियों का ही वक्त आता दिख रहा है। शायद दिल्ली में भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी की हार के बाद सभी की निगाहें अब बिहार पर हैं। वहां के मतदाताओं के हाथ अभी दिल्ली जैसा लाभ नहीं है। वहां सत्ताधारी गठबंधन के अंदर निश्चित रूप से इस जीत के बाद मंथन का दौर चल रहा होगा कि मतदाताओं को अपने पक्ष में बनाए रखने की लिए और कितनी घोषणाएं कर तुरंत उन्हें अमल में लाया जा सकता है। आम आदमी पार्टी के क्षत्रपों की हार से पूरे देश में एक बड़ा संदेश जरूर गया है। आने वाला दौर और रायों के चुनावों के ट्रेन्ड काफी बदलने वाले हैं। दिल्ली के नतीजों के बाद अब जिन-जिन रायों में चुनाव होने हैं वहां पर विकास के अलावा मुफ्त की रेवड़ी बांटने या जीतने के बाद देने के वायदों को देखना होगा। भाजपा की जीत या आप की हार को राजनीतिक दृष्टि से तो देखा ही जाएगा लेकिन इसका विकास की योजनाओं पर भी दूरगामी असर होगा। इसके अलावा गठबन्धन की राजनीति के लिए भी बड़ा संदेश छुपा है। बन्द मुट्ठी लाख की खुल गई तो खाक की। कांग्रेस बेहतर न कर पाने के बाद भले ही कहे कि हमें आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में धोखा दिया तो हमने दिल्ली में उसे उसकी हैसियत बता दी। वास्तविक हैसियत तो मतदाताओं ने दिखा दी है। लगता नहीं कि भविष्य में गठबन्धन धर्म में कांग्रेस ने भी खुद अपने लिए चुनौतियां नहीं बढ़ा लीं? कहते हैं वक्त कभी थमता नहीं है लेकिन कांग्रेस की हालत और जनता में विश्वास को लेकर अब यह चिंतन और मंथन का भी समय है। कांग्रेस को अपने वजूद के लिए नए सिरे से छोटे-बड़े से समझौते पर सोचना होगा। वहीं, आम आदमी पार्टी को भी इस बात को लेकर जूझना होगा कि पंजाब के वायदों को पूरा न कर पाने का दिल्ली में कितना खामियाजा उठाना पड़ा? लेकिन एक बार फिर विपक्षी एकता और महागठबंधन की ताकत को लेकर फिर चिंतन-मंथन का दौर शुरू होगा। शायद विपक्ष सीख ले? इसके लिए बिहार के चुनाव का इंतजार करना होगा। सच है कि भाजपा को आत्मविश्वास और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के साथ अनुशासित होकर चुनाव लड़ने से भी बहुत फायदा हुआ। वहीं, जिस तरह से प्रचंड जनादेश से सरकार में आने के बाद ही आम आदमी पार्टी से जुड़े दूसरे दिग्गजों को मजबूरन कहें या जानबूझकर अलग किया गया या होने को मजबूर होना पड़ा यह हार भी कहीं न कहीं उसकी कीमत है। अब आप के सामने बची-खुची एकजुटता बनाए रखना भी बड़ी चुनौती होगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि केजरीवाल के लिए सबसे बड़ी मुश्किल अपनी पार्टी को दोबारा मजबूत कर पाना और पंजाब की सरकार को जनता की उम्मीदों पर खरा उतारना होगा। यह तय है कि केजरीवाल के लिए आने वाले दिन और भी मुश्किलों से भरे होंगे।

टाइगर डिवीजन के सैनिक ने राष्ट्रीय खेलों में तीरंदाजी में जीता कांस्य पदक

एजेंसी

जम्मू। राइजिंग स्टार कोर के तहत जम्मू स्थित टाइगर डिवीजन के सेना के जवान ने उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों में तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। राइजिंग स्टार कोर ने एक्स पर पोस्ट किया,अनुशासन, सटीकता और दृढ़ता का एक शानदार प्रदर्शन! पोस्ट में यह भी कहा गया, राइजिंग स्टार कोर ने उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों 2025 में रिकर्व पुरुष व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के लिए टाइगर डिवीजन के हवलदार सुखचैन सिंह को बधाई दी।

गजा की गेंदबाजी से सौराष्ट्र 216 पर ढेर

राजकोट। चिंतन गजा (48 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से गुजरात ने रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन यहां सौराष्ट्र की पहली पारी को 216 रन पर समेट दिया। दिन का खेल खत्म होने तक गुजरात ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिये थे। प्रियांक पंचाल 11 और आर्या देसाई दस रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। सौराष्ट्र की ओर से चिराग जानी (69) और चेतेश्वर पुजारा (26) ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी निभायी मगर सिद्धार्थ देसाई (35 रन पर दो विकेट) ने पुजारा को चलता कर सौराष्ट्र को करारा झटका दिया जिसके बाद उनके बल्लेबाजों क्रीज पर पैर जमाने में असफल रहे और पवेलियन लौटने की जल्दी में दिखायी दिये। जानी ने अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का जड़ा। अर्पित वसावड़ा (39 नाबाद) ने एक छोर संभाले रखा मगर दूसरे छोर पर बल्लेबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।

नायर के शतक से विदर्भ के छह विकेट पर 264

नागपुर। करुण नायर (100 नाबाद) और दानिश मलेवर (75) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शुरुआती झटकों के बावजूद विदर्भ ने रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन तमिलनाडु के खिलाफ छह विकेट पर 264 रन बना लिये। नायर का घरेलू सीज़न यह छठा शतक है। तमिलनाडु ने विदर्भ को शुरुआती झटके दिए मगर दानिश मलेवर और नायर ने चौथे विकेट के लिये 98 महत्वपूर्ण रन जोड़ लिये। मलेवर विजय शंकर की गेंद पर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने से पहले नायर ने अपना शतक पूरा कर लिया और पहले दिन के खेल की समाप्ति तक विदर्भ ने छह विकेट के नुक़सान पर 264 रन बना लिए हैं।

मिस्बाह-उल-हक और इंजमाम-उल-हक को मिला हॉल ऑफ फेम सम्मान

करांची। पीसीबी ने पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला से पहले आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान क्रिकेट में पूर्व कप्तानों इंजमाम-उल-हक और मिस्बाह-उल-हक के शानदार योगदान को देखते हुए उन्हें शनिवार को औपचारिक रूप से हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से पहले पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने उन्हें स्मारक टोपी और

पट्टिकाएं प्रदान कीं। दोनों दिग्गज कैप पहनकर स्टेडियम में घूमे और भीड़ से जोरदार तालियां बटोरीं। इंजमाम और मिस्बाह को सईद अनवर और मुश्ताक के साथ 2024 के पीसीबी हॉल ऑफ फेम वर्ग में नामित किया गया था। हॉल ऑफ फेम में पहले से इमरान खान, वसीम अकरम, वकार यूनिस और जावेद मियांदाद जैसे महान क्रिकेट खिलाड़ियों के नाम हैं। इंजमाम 11,701 रन के साथ पाकिस्तान के सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले और टेस्ट में 8,829 रन के साथ तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर हैं। वहीं, 2016 में पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग तक पहुंचाने वाले मिस्बाह ने भी पाकिस्तान के महानतम क्रिकेटरों में शामिल होने को गर्व का क्षण बताया।

जिल टेचमैन से हार कर माया का मुंबई ओपन में खिताब का सपना टूटा

एजेंसी

मुंबई। भारत की माया राजेश्वरन एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 के सेमीफाइनल में स्विट्जरलैंड की जिल टेचमैन से सीधे सेटों में 3-6,1-6 से हार गईं। माया ने टूर्नामेंट की शुरुआत वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में की थी और सेमीफाइनल तक पहुंचीं। यह उनका पहला सीनियर टूर्नामेंट था। भारत की प्रार्थना थम्बोर डच पार्टनर एरियन हार्टोनो के साथ हालांकि युगल फाइनल में खेलेंगी।

जिल ने पहले चार गेम जीतकर पहले सेट की शुरुआत में ही लय बना ली। माया ने अगले दो गेम जीतकर अपनी फॉर्म को फिर से हासिल करने की कोशिश की लेकिन अनुभवी स्विस खिलाड़ी ने अच्छी वापसी की और पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।जिल ने दूसरे सेट में अपनी लय बनाए रखी और पहले चार गेम जीते, लेकिन माया के अथक प्रयासों ने उन्हें पांचवां गेम जीतने में मदद की। युवा भारतीय खिलाड़ी जिल के लगातार मजबूत रिटर्न के सामने टिक नहीं पाई और 6-1 के स्कोर के साथ दूसरा सेट और फाइनल में सीट जीत ली। अन्य एकल सेमीफाइनल में, थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त मननचाया सवांगकेव ने कनाडा की दूसरी वरीयता प्राप्त रेबेका मैरिनो को 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। सवांगकेव ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उनके उच्च रैंक वाली प्रतिद्वंद्वी के लिए मैच में कोई पैर जमाने का मौका नहीं बचा। पहले सेट में सवांगकेव ने शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया और क्लिनिकल रिटर्न के साथ मैरिनो की सर्विस दो बार तोड़ी। उनके आक्रामक दृष्टिकोण और शक्तिशाली सर्विस के कारण तीन ऐस मिले, जिससे कनाडाई खिलाड़ी लगातार दबाव में रही। मैरिनो लय हासिल करने में संघर्ष करती रहीं, अक्सर अनफोर्स्ड एरर करती रहीं, जबकि सवांगकेव बेसलाइन से खेल की गति तय करती रहीं।

पहले सेट में मिली जीत की लय को बरकरार रखते हुए, सवांगकेव ने दूसरे सेट में भी वही जोश बनाए रखा। उन्होंने मैरिनो पर लगातार दबाव बनाए रखा। इस दौरान वह कोर्ट में तेज़ी से आगे बढ़ीं और मैरिनो की रक्षात्मक चूक का फ़ायदा उठाया। सवांगकेव के आक्रामक रिटर्न और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक ने दो और सर्विस ब्रेक का रास्ता तैयार किया। उनके संयमित व्यवहार और रणनीतिक शॉट प्लेसमेंट ने मैरिनो को कोई वापसी करने से रोक दिया।

मुकुंद, रामकुमार और करण बनेंगे दिल्ली ओपन की शान

एजेंसी

नयी दिल्ली। डेविस कप खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद, रामकुमार रामनाथन और करण सिंह को एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट दिल्ली ओपन के पुरुष एकल में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गयी है। इसके अलावा डेविस कप प्रशिक्षण शिविर का भाग ले चुके चिराग दुहान और आर्यन शाह को आदित्य गोविला और सिद्धार्थ रावत के साथ क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर रह चुके लॉयड हैरिस और 2019 जूनियर विंबलडन चैंपियन शिंटारो मोचीजुकी एटीपी चैलेंजर 75 टूर्नामेंट में शीर्ष आठ वरीय खिलाड़ियों में शामिल होंगे जो 10 से 16 फरवरी तक डीएलटीए परिसर में होने वाले पांचवें चरण में खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका के हैरिस एकल मुख्य ड्रॉ में चौथे स्थान पर होंगे। जापान के उभरते हुए 21 वर्षीय मोचीजुकी को छठी वरीयता दी गई है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को हराना एक चुनौती : शरीफ

एजेंसी

लाहौर। चैंपियंस ट्राफी का खुमार पाकिस्तान में चरम पर है और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी 19 फरवरी से शुरु होने वाले क्रिकेट के महाकुंभ से अछूते नहीं है। शरीफ ने रात लाहौर में नये सिरे से तैयार गद्दाफी स्टेडियम के उदघाटन के अवसर पर कहा कि भारत को हराना आसान नहीं होगा और पड़ोसी देश को क्रिकेट के मैदान पर शिकस्त देने के लिये पाकिस्तान की टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। गौरतलब है कि चैंपियंस ट्राफी में पाकिस्तान की भारत से भिड़ंत 23 फरवरी को दुबई में होगी।

शरीफ ने कहा, हमारी टीम बहुत अच्छी है और उसने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी जीतना ही नहीं बल्कि दुबई में होने वाले मैच में हमारे चिर प्रतिद्वंद्वी

भारत को हराना होगा। पाकिस्तान की टीम को पूरे देश का समर्थन हासिल है। पाकिस्तान आज त्रिकोणीय श्रृखंला में न्यूजीलैंड का सामना कर रहा है। पाकिस्तान ने भारत को आखिरी बार 2021 में दुबई में टी20 विश्व कप में हराया था। पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गत चैंपियन के रूप में भाग लेगा। उसने इससे पहले 2017 में इंग्लैंड में आयोजित किए गए टूर्नामेंट में जीत हासिल की थी। शरीफ ने कहा, ÷यह पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा अवसर है क्योंकि हम लगभग 29 साल के बाद किसी आईसीसी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी टीम चैंपियंस ट्रॉफी में भी देश का सिर ऊंचा करेगी। गद्दाफी स्टेडियम का नवीनीकरण का कार्य 117 दिन में पूरा किया गया। इसके उद्घाटन समारोह में प्रसिद्ध गायक अली जफर, आरिफ लोहार और आइमा बेग ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया।

दिल्ली ने बनाया लीजेंड 90 लीग का सबसे बड़ा स्कोर

एजेंसी

रायपुर । लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रायल्स ने लीग का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 195 रन बनाए, हालांकि राजस्थान की टीम ने इस लक्ष्य को भेदने की बहुत कोशिश की, लेकिन दिल्ली की गेंदबाजी के आगे उनकी एक न चली और टीम 41 रन से इस मैच को हार गई।

शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में सुबह 12 बजे से शुरू हुए इस मुकाबले में बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली रॉयल्स आज शुरुआत से ही अलग अंदाज में नजर आई। दिल्ली के कप्तान शिखर धवन भी आज लय पकड़ते नजर आए, हालांकि उनकी पारी बहुत लंबी तो नहीं रही, लेकिन 5 चौकों के साथ 26 रन बनाकर उन्होंने टीम को एक सशक्त शुरुआत दी, लेकिन आज दिन था उनका साथ निभाने आए सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमन्स का। सिमन्स ने 39 गेंदों पर 12 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 87 रन बनाकर राजस्थानी गेंदबाजी की कमर तोड़ के रख दी। जिसके बाद आए एंजेलो परेरा ने 24 गेंदों में 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से ताबड़तोड़ 54 रन बनाकर टीम को 195 रनों के विशालकाय स्कोर तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान किंग्स के सलामी बल्लेबाज फिल मस्टर्ड को परविंदर अवाना ने पहले ही ओवर चलता कर दिया, जिसके बाद गौरव तोमर (34), राजेश विश्नोई (31),

रजत सिंह (48) और मनप्रीत गोनी (27) ने प्रयास तो किया, लेकिन उतना काफी नहीं था और टीम 41 रन से पीछे रह गई। शानदार बल्लेबाजी के लिए लेंडल सिमंस को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

दिमुथ करुणारत्ने को आखिरी टेस्ट पारी पर ऑस्ट्रेलियाई प्लेयरों से मिली विदाई

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने को दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी आखिरी टेस्ट पारी खेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्लेयरों से शानदार विदाई मिली। प्लेयरों ने उनके लिए तालियां बजाई। यह दिमुथ का 100वां टेस्ट था। वह दूसरी पारी में सिर्फ 14 रन बना पाए और मैथ्यू कुह्नमैन की गेंद पर विकेट के पीछे विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे। वह जब पवेलियन लौट रहे थे तो नाथन लियोन और स्टीव स्मिथ ने उनसे हाथ मिलाया। वहीं, श्रीलंकाई साथी दिनेश चंडीमल ने उन्हें गले लगाया। श्रीलंकाई बल्लेबाज ने 100 टेस्ट मैचों में 39.25 की औसत से 16 शतक और 39 अर्द्धशतक के साथ 7222 रन बनाए और उनका उच्चतम स्कोर 244 रन था।

करुणारत्ने मौजूदा मुख्य कोच सनथ जयसूर्या (110), मुथैया मुरलीधरन (132), चामिंडा वास

(111), कुमार संगकारा (134), महेला जयवर्धने (149) और एंजेलो मैथ्यूज (117) के बाद 100 टेस्ट के आंकड़े तक पहुंचने वाले सातवें श्रीलंकाई क्रिकेटर बन गए। करुणारत्ने के 16 टेस्ट शतक श्रीलंका के साथ मार्वन अटापट्टू, तिलकरत्ने दिलशान, दिनेश चंडीमल और मैथ्यूज के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। केवल संगकारा (38), जयवर्धने (34) और अर्जुन रणतुंगा (20) ने ही इस प्रारूप में अधिक शतक लगाए हैं। करुणारत्ने ने सलामी बल्लेबाज के रूप में 7,079 रन बनाए, जो इस पोजीशन पर किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज के लिए सबसे अधिक है। एशियाई खिलाड़ियों में केवल सुनील गावस्कर (9,607 रन) और वीरेंद्र सहवाग (8,124 रन) के नाम सलामी बल्लेबाज के रूप में अधिक टेस्ट रन हैं। उन्होंने टेस्ट ओपनर के रूप में 16 शतक लगाए और इस तरह ओपनिंग पर सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में मार्वन अटापट्टू की बराबरी कर ली। करुणारत्ने ने टेस्ट कप्तान के रूप में 8 शतक बनाए, जो महेला जयवर्धने के 14 के बाद श्रीलंका के लिए दूसरा सबसे बड़ा शतक है।

मैच की बात करें तो दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका ने दूसरी पारी में 211 रन तक 8 विकेट विकेट गंवा लिए हैं। उनके पास 54 रन की मामूली बढ़त है। अब ऑस्ट्रेलिया चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 257 रन ही बना पाई थी। अब दूसरी पारी में श्रीलंका ने एक समय जब 81 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे तो एंजेलो मैथ्यूज ने 76 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़या। कुसल मेंडिस फिलहाल 48 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

राशिद खान की नजर 1,000 टी20 विकेट पर, बोले– 4 अंक देखना अच्छा लगेगा

एजेंसी

जोहान्सबग। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान जो वर्तमान में एसए20 में एमआई केपटाउन का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने कहा कि टी20 में अग्रणी विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने से उन्हें बहुत संतुष्टि मिली है और उनका लक्ष्य इस प्रारूप में 1,000 विकेट का आंकड़ा छूना है। राशिद एमआई केप टाउन और 2 बार के चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप (एसईसी) के बीच एसए20 फाइनल से पहले बोल रहे थे। मौजूदा लीग के दौरान, उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज ड्वेन ब्रावो को पछाड़कर 633 विकेट के साथ खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि एमआई केपटाउन के क्वालीफायर वन मैच के दौरान गकरबेहा में पार्ल रॉयल्स के खिलाफ हासिल की। राशिद ने कहा कि टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने से उन्हें अविश्वसनीय संतुष्टि मिलती है। खासतौर पर जब मैं अपने करियर को देखता हूं तो यह उतना लंबा नहीं है, जहां मुझे ऐसा लगता है, मान लीजिए कि मैंने 15-20 साल खेला और यह रिकॉर्ड टूट गया है और यह अब मेरे नाम पर है। अभी तो नौ साल ही हुए हैं. और डीजे ब्रावो ने यह रिकॉर्ड कितने समय (आठ वर्षों) तक कायम रखा। लेकिन यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि अगर मैं 2014-15 में पीछे मुड़कर देखूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दुनिया भर में टी20 अंतरराष्ट्रीय और (फ्रेंचाइजी) लीग खेलूंगा।

ग्लेन फिलिप्स ने धोए पाक गेंदबाज, अफरीदी को 1 ओवर में ठोके 25 रन

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले ट्राई सीरीज के ओपनिंग मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब शुरूआत की है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पहले ही मुकाबले में न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स के शतक की बदौलत 6 विकेट पर 330 रन बना दिए। डिरेल मिचेल (81) का विकेट गिरने तक न्यूजीलैंड ने 38 ओवर में 200 रन ही बनाए थे। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स का जादू चला। उन्होंने 74 गेंदों पर 6 चौके और 7 छक्कों की मदद से 106 रन बनाए। फिलिप्स ने आखिरी ओवर फेंकने आए शाहीन अफरीदी के एक ओवर में 25 रन भी खींचे। पाक गेंदबाज डैथ ओवर्स में बेहद खराब रहे। उन्होंने आखिरी 9 ओवर में 122 रन लुटा दिए। फिलिप्स इसी के साथ पाकिस्तान में नंबर 6 या निचले क्रम पर खेलकर शतक

लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने 106 रन बनाए। इससे पहले साल 2019 में शेहान जयसूर्या ने यहां 96 रन बनाए थे जबकि साल 2000 में एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने 84 रन बनाए थे। इससे पहले फिलिप्स का पिछला उच्चतम स्कोर सितंबर 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ 72 रन था। फिलिप्स न्यूजीलैंड के मध्य क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। वह नंबर 6 या 7 पर आकर टीम स्कोर को बढ़ाने के लिए तेजी से रन बनाते हैं। डेथ ओवरों में तेजी लाने की उनकी क्षमता न्यूजीलैंड की वनडे रणनीति में एक महत्वपूर्ण कारक रही है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फिलिप्स के न्यूजीलैंड के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। उनकी हालिया फॉर्म और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता शानदार है।

पाकिस्तान के खिलाफ उनके पहले वनडे शतक ने उनके आत्मविश्वास और टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड की संभावनाओं को बढ़ाया है। फिलिप्स अपने एथलेटिकिज्म और क्षेत्ररक्षण कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। वह अक्सर पॉइंट या कवर जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात रहते हैं। वनडे में उनका कैच प्रतिशत 48.4त्न है। फिलिप्स को उनकी शानदार फील्डिंग प्रतिभा के लिए सुपरह्यूमन जैसे टाइटल भी मिले हैं।

शाहनवाज खान, वैष्णवी और ऋषिता राय ने दिलाए उत्तर प्रदेश को स्वर्ण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश को एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक शाहनवाज खान ने दिलाया। इससे पहले,हुई प्रतियोगिताओं में ताइक्कांडो में वैष्णवी और ऋषिता राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस जीत से प्रदेश के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। खेल निदेशक आर.पी. सिंह ने प्रदेश के खिलाड़ियों को बधाई दी।उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि शनिवार को उत्तर प्रदेश ने 3 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीते। अब तक उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय खेलों में 10 स्वर्ण, 10 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 28 पदक अपने नाम किए हैं।

पैट कमिंस दूसरी बार बने पिता, पत्नी बेकी ने दिया बेटी को जन्म

एजेंसी

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और पत्नी बेकी के घर दूसरे बच्चे के आगमन हो गया है। पैट और बेकी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बेटी एडी की पहली झलक दुनिया के सामने पेश की। बेकी और पैट ने अपने संयुक्त पोस्ट में कहा- वह यहां है। हमारी खूबसूरत बच्ची, एडी शब्दों से बयान नहीं कर सकती कि हम इस वक्त कितना खुश और प्यार से भरा हुआ महसूस कर रहे हैं।

इस बीच, एडी के जन्म के कारण कमिंस ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे से चूक गए। बताया जा रहा है कि कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से चूक जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हालात धीरे-धीरे खराब होते जा रहे हैं क्योंकि मिशेल मार्श की चोट और मार्कस स्टोइनिस के सदमे से संन्यास लेने के बाद, उनके तेज गेंदबाजी विकल्प कम हो गए हैं और कमिंस और हेजलवुड क्रमशः टखने और कूल्हे की समस्या के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

अब, ऑस्ट्रेलिया को टीम में संतुलन और अनुभव की कमी को पूरा करने के लिए कम से कम दो ऑल-राउंड प्रतिभाओं के साथ चार प्रतिस्थापनों की आवश्यकता है। अंतिम टीम की घोषणा श्रीलंका के खिलाफ गॉल में चल रहे दूसरे टेस्ट के बाद की जाएगी। मार्श ने पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वह फिलहाल रिहैब से गुजर रहे हैं। कमिंस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टखने की समस्या से जूझ रहे हैं, जहां उन्होंने 25 विकेट लेने के लिए 167 ओवर फेंके, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक है। हेजलवुड की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी उनकी भागीदारी संदेह के घेरे में है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने लॉर्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल भी खेलना है। पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

सूर्यकुमार यादव फिर फ्लॉप, इन बल्लेबाजों ने बचाई मुंबई की लाज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में भी अपनी खोई हुई फॉर्म ढूंढते नजर आए। हरियाणा के खिलाफ मुकाबले में वह मात्र 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि मुंबई की टीम शम्स मुलानी और तनुश कोटियन के अर्धशतकों की बदौलत पहले दिन का खेल समाप्त होने तक मजबूत स्थिति में पहुंच गई। मुंबई की शुरुआत खराब रही थी। उसे शुरुआत में हरियाणा के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करना पड़ा। पहले सत्र तक मुंबई 13.2 ओवर में 25/4 पर सिमट गई। आयुष म्हात्रे, सूर्यकुमार यादव और अन्य सहित शीर्ष क्रम के प्रमुख बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए। इस दौरान हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने शानदार गेंदबाजी की। लंच के समय मुंबई का स्कोर 53/4 था, अजिंक्य रहाणे और सिद्धेश लाड क्रीज पर थे। लंच के बाद मुंबई ने लगातार विकेट गंवाई। रहाणे 31 रन बनाकर आऊट हो गए। इसी बीच शम्स मुलानी और तनुश कोटियन के बीच अहम साझेदारी ने मुंबई को नाजुक स्थिति से बचाया। दोनों ने महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए मुंबई को चाय तक 151/7 तक पहुंचाया। मुलानी ने अंत तक 91

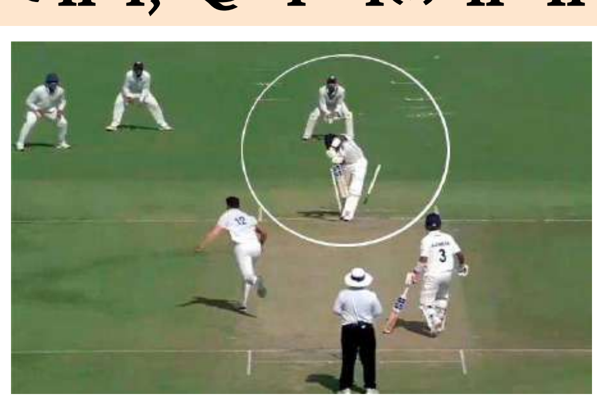

रन तो कोटियन ने 85 रन बनाए। उनकी साझेदारी के कारण पहले दिन स्टंप्स तक मुंबई का कुल स्कोर 278/8 हो गया। हरियाणा के लिए प्रमुख गेंदबाजी प्रदर्शन में अंशुल कंबोज (3/48) और निशांत सिंधु शामिल रहे, जिन्होंने किफायती गेंदबाजी करते हुए मुंबई के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। बता दें कि यह मैच मूल रूप से लाहली, रोहतक में चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन अंतिम समय में इसे कोलकाता के ईडन गार्डन में स्थानांतरित कर दिया गया। यह बदलाव ÷अपरिहार्य परिस्थितियों÷ के कारण हुआ, जिसमें संभावित कारणों के रूप में कोहरे और खराब मौसम का अनुमान लगाया गया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

हरियाणा : लक्ष्य दलाल, यश वर्धन दलाल, अंकित कुमार (कप्तान), हिमांशु राणा, निशांत सिंधु, रोहित प्रमोद शर्मा (विकेटकीपर), जयंत यादव, सुमित कुमार, अंशुल कंबोज, अनुज ठकराल, अजीत चहल

मुंबई : आयुष म्हात्रे, आकाश आनंद (विकेटकीपर), सिद्धेश लाड, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, शम्स मुलानी, शार्दुल ठाकुर, तनुष कोटियन, मोहित अवस्थी, रॉयस्टन डायस

वेस्टर्न कैरियर्स को वेदांता से 1,089 करोड़ रुपये का लॉजिस्टिक अनुबंध मिला

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता स्थित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक फर्म वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड (डब्ल्यूसीआईएल) ने कहा कि उसे खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता लिमिटेड से 1,089 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला है। कंपनी ने कहा कि चार साल के इस अनुबंध के तहत वेदांता के झारसुगुड़ा (ओडिशा) संयंत्रों से घरेलू केंद्रों और अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक एल्यूमीनियम उत्पादों, पिग आयरन और निर्यात-आयात कार्गो का परिवहन करना शामिल है। यह सौदा थोक औद्योगिक खेप के लिए रेल, सड़क और वेयरहाउसिंग समाधानों को एकीकृत करने में डब्ल्यूसीआईएल की विशेषज्ञता को दर्शाता है। डब्ल्यूसीआईएल के सीईओ कनिष्क सेठिया ने कहा, हम अपने अखिल भारतीय रेल नेटवर्क और डिजिटल साधनों के जरिये लागत और दक्षता का अनुकूलन करेंगे।

एनसीएलएटी का एनसीएलटी को बीसीसीआई-बायजू समझौते पर एक सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश

नयी दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) को निर्देश दिया है कि वह शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला मामले के निपटारे और वापसी के लिए भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की याचिका पर एक सप्ताह के भीतर फैसला करे। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन और न्यायमूर्ति जतिन्द्रनाथ स्वैन वाली दो सदस्यीय पीठ ने एनसीएलटी को निर्देश दिया कि वह ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बायजू के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में बहाल करने के न्यायाधिकरण के पिछले आदेश के खिलाफ रिजु रवींद्रन द्वारा दायर याचिका का निपटारा करे।

एनसीएलएटी ने कहा, एनसीएलटी को निर्देश दिया जाता है कि वह आवेदन पर, अधिमानतः एक सप्ताह के भीतर निर्णय ले। हालांकि, एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बायजू के पूर्व प्रवर्तक और बायजू रवींद्रन के भाई रिजु रवींद्रन ने एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के आदेश को चुनौती दी है, जिसने 29 जनवरी को फर्म के समाधान पेशेवर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का निर्देश दिया था और कंपनी की ऋणदाताओं की समिति से ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बाहर करने के उनके निर्देश को रद्द कर दिया था।

वारी एनर्जीज ने गुजरात के चिखली स्थित सौर सेल विनिर्माण संयंत्र में व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया

नयी दिल्ली। वारी एनर्जीज ने गुजरात के चिखली में अपनी 1.4 गीगावाट मोनोक्रिस्टलाइन पीईआरसी (मोनो पीईआरसी) सौर सेल उत्पादन लाइन में व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह देश की सबसे बड़ी सौर सेल विनिर्माण सुविधा में परिचालन का पहला चरण है। इस सुविधा की कुल नियोजित क्षमता 5.4 गीगावाट है, जिसमें अगले चरण में परिचालन किए जाने वाले चार गीगावाट उच्च दक्षता वाले 'टीओपीकॉन' सौर सेल शामिल हैं। वारी एनर्जीज के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. अमित पैठणकर ने बयान में कहा, हमारी 1.4 गीगावाट मोनो पीईआरसी सौर सेल लाइन पर वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत एक आत्मनिर्भर सौर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप है।

बीएचईएल को महाजेनको से 8,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला

नयी दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने कहा कि उसे महाराष्ट्र राज्य बिजली उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) से 8,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह ठेका कोराडी तापीय बिजली केंद्र के बीटीजी (बॉयलर टरबाइन जनरेटर) पैकेज के लिए है। इसमें उपकरणों की आपूर्ति, निर्माण और सिविल कार्य शामिल हैं। इस बिजली केंद्र की क्षमता 1320 मेगावाट है। बीएचईएल को महाराष्ट्र के नागपुर जिले में कोराडी तापीय बिजली केंद्र के बीटीजी पैकेज के लिए सात फरवरी, 2025 को महाजेनको से 'लेटर ऑफ अवार्ड' (एलओए) मिला। ठेका एलओए की तारीख से 52-58 महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

नए आयकर विधेयक को अगले हफ्ते लोकसभा में पेश किया जाएगा : वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वह अगले हफ्ते लोकसभा में नए आयकर विधेयक को पेश करेंगी, जो छह दशक पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा।

वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट के बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा की मौजूदगी में केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक में चर्चा के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी।

सीतारमण ने कहा कि नए आयकर विधयेक को संसद के उच्च सदन में पेश किए जाने के बाद जांच के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, प्रक्रिया यह है कि समिति अपनी सिफारिश देती है। इसके बाद सरकार निर्णय लेती है कि इन संशोधनों को शामिल किया जाना चाहिए या नहीं। इस विधयेक को फिर से संसद में रखा जाएगा, जहां से पास होने के बाद यह विधयेक प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 01 फरवरी को अपने बजट भाषण के दौरान नए आयकर विधेयक लाने की घोषणा की थी। उन्?होंने 2025-26 के केंद्रीय बजट पेश करते हुए कहा था कि इस नए आयकर विधेयक में आयकर दरों, स्लैब और स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) संबंधी प्रावधानों में किए गए बदलावों को शामिल किया जाएगा।

अधिकांश खाद्य तेल उबले; दालें सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में उबाल रहा जबकि उठाव कमजोर पड़ने से दालें सस्ती हो गईं वहीं अनाज और मीठे के भाव में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा सप्ताहांत पर 214 रिंगिट उबलकर 4775 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, फरवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.25 सेंट गिरकर 45.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी का रुख रहा। मूंगफली तेल 622 रुपये, सूरजमुखी तेल 587 रुपये, सोया रिफाइंड 951 रुपये और पाम ऑयल 366 रुपये प्रति क्विंटल महंगे हो गए जबकि सरसों तेल 368 रुपये और वनस्पति

तेल में 258 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।सप्ताहांत पर सरसों तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15237 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13333 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

रुपये के लिए कोई स्तर नहीं, बाजार की ताकतें तय करती हैं विदेशी मुद्रा दरः मल्होत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का मूल्य बाजार की ताकतें तय करती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक रुपये के मूल्य में दिन-प्रतिदिन होने वाले उतार-चढ़ाव को लेकर चिंतित नहीं हैं। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रिजर्व के साथ 613वीं केंद्रीय बोर्ड की बैठक के समापन के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बैंक मध्यम से लंबी अवधि में रुपये के मूल्य पर ध्यान देता है। उन्होंने रुपये की विनिमय दर में गिरावट पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि आरबीआई के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है, यह किसी भी कीमत स्तर या दायरे को नहीं देखता है। मल्होत्रा ने कहा कि हमारा प्रयास अत्यधिक अस्थिरता पर अंकुश लगाना है। हम रोजाना के उतार-चढ़ाव या विनिमय दर पर ध्यान नहीं देते। आरबीआई गवर्नर ने कीमत वृद्धि पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के प्रभाव पर कहा कि घरेलू मुद्रा के मूल्य में पांच फीसदी की कमी घरेलू मुद्रास्फीति को 0.30 से 0.35 फीसदी की

सीमा तक प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि और महंगाई के अनुमानों पर काम करते समय मौजूदा रुपया-डॉलर दर को ध्यान में रखा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय मुद्रा में ज्यादातर गिरावट वैश्विक मुद्दों और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क संबंधी घोषणाओं की वजह से सामने आई अनिश्चितताओं के कारण है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि स्थिति सुधरेगी और इससे हमें मुद्रास्फीति को नीचे लाने में मदद मिलेगी। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि आरबीआई बैंकों में पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से सजग है। संयज मल्होत्रा ने क्रिप्टो-करेंसी के बारे में कहा कि क्रिप्टो परिसंपत्तियों से संबंधित मुद्दों को देखने के लिए सरकार ने एक कार्य समूह का गठन किया है। क्रिप्टो पर एक चर्चा पत्र भी जारी किया जाएगा। उन्होंने ने कहा, ''नकदी को नियंत्रित करने और प्रबंधित करने के लिए हमारे पास कई साधन हैं और हम उनका उपयोग करेंगे। हमारे पास खुले बाजार में बॉन्ड की खरीद-बिक्री (ओएमओ) है, हम पर्याप्त नकदी मुहैया करने के लिए इन उपायों का उपयोग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया नौ पैसे चढ़कर अबतक के निचले स्तर से उबरते हुए 87.50 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रिजर्व बैंक के नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद रुपये में सुधार आया है।

सरकार और रिजर्व बैंक महंगाई, विकास दर पर मिलकर कर रहे हैं कामः सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई, विकास दर जैसे मोर्चे पर मिलकर काम कर रहे हैं। मजबूत बजट और आरबीआई के हालिया फैसलों से बढ़ती अर्थव्यवस्था को फायदा होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाले केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए सूझ-बूझ के साथ राजकोषीय प्रबंधन के उपाए किए गए हैं।

सीतारमण ने बजट पेश होने के बाद आरबीआई के साथ परंपरागत बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा के साथ केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित किया। वित्त मंत्री ने रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाले केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट के दृष्टिकोण को रखा। उन्होंने बजट में प्रमुख क्षेत्रों में दिए गए जोर तथा राज्यमंत्री पंकज चौधरी, वित्त और राजस्व सचिव तुहिन कांत पांडेय, व्यय सचिव मनोज गोविल, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव

वित्तीय क्षेत्र से उम्मीद के बारे में भी अपनी बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''बजट में विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए सूझ-बूझ के साथ राजकोषीय प्रबंधन के उपाए किए गए हैं।'' बैठक में आरबीआई निदेशक मंडल ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री तथा आरबीआई के गवर्नर रहे डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव भी पारित किया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त एम नागराजू, निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरूणीश चावला, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन, डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. मौजूद थे। इसके अलावा केंद्रीय बैंक के अन्य निदेशक सतीश के. मराठे, एस. गुरुमूर्ति, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, वेणु श्री निवासन, पंकज रमनभाई पटेल और डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया भी मौजूद रहे।

एसएमई को सशक्त बनाने में एसएमएफजी इंडिया निभा रही है प्रमुख भूमिका, पेश की नई ब्रांड फिल्म

एजेंसी

नई दिल्ली। लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) का भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 30 फीसद योगदान है। रोजगार सृजन में एसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। बावजूद इसके औपचारिक ऋण प्राप्त करने में छोटे कारोबारियों को तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एसएमई को सुलभ और आसान व्यावसायिक ऋण समाधान प्रदान कर एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट भारत के आर्थिक विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

व्यावसायिक ऋणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कंपनी विकास और परिवर्तन चाहने वाले व्यवसायों के लिए एक पसंदीदा वित्तीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को निरंतर मजबूत कर रही है।

इसी क्रम में एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी नई ब्रांड

फिल्म पेश की है। यह फिल्म उम्मीद, बदलाव और असीम संभावनाओं की आकर्षक कहानी पेश करती है। यह फिल्म छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय मालिकों को अपने ऋण प्रस्ताव के ज़रिये सशक्त बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है, जिससे उन्हें बड़े सपने देखने, बढ़ने और फलने-फूलने में मदद मिलती है। हास्य से भरपूर म्यूज़िकल फॉर्मेट में प्रस्तुत की गई यह फिल्म एक छोटे खुदरा विक्रेता की कहानी बयां करती है जो अपना कारोबार बढ़ाना चाहता है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट बिज़नेस लोन उसका जीवन बदल देता है, उसे एक नई पहचान बनाने और वित्तीय प्रगति हासिल करने में मदद करता है। फिल्म मूल रूप से नई शुरुआत के लिए लचीलापन, महत्वाकांक्षा और वित्तीय सशक्तिकरण की ताकत पेश करती है। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी, अजय पारीक ने कहा कि यह फिल्म इस बात पर ज़ोर देती है कि कैसे एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट बिज़नेस लोन (व्यवसाय ऋण) छोटे खुदरा विक्रेताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है और आकर्षक ब्याज दरें, न्यूनतम दस्तावेज तथा आसान पुनर्भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

शक्कर में तेजी, खोपरा? गोला में नरमी

एजेंसी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर? पूछपरख से महंगी बिकी। खोपरा गोला में उठाव सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। खोपरा बूरा में पूछपरख बताई गई। साबूदाना सामान्य वत बना रहा।

स्थानीय किराना बाजार में शक्कर 4060 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के साथ 4100 से? 4140 रुपये? के स्तर पर थमी। शक्कर की दैनिक आवक 03 से 04 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 160 से 210 रुपये पर खुलने के बाद 160 से 207 रुपये प्रति किलोग्राम पर रुका। हल्दी में छिटपुट मांग रही। इसमें कामकाज 220 से 285 रुपये की रंगत पर हुआ।

खोपरा बूरा के दामों में सुधार दर्ज किया गया। सप्ताहांत? खोपरा बूरा में कामकाज 3800 से 5800 रुपये होकर थमा। साबूदाना में उपभोक्ता मांग बढ़ी रही।

पंजीकृत कंपनियों में प्रशासन को बेहतर बनाने की कोशिश, सेबी ने पेश किया अहम प्रस्ताव

एजेंसी

अहमदाबाद। बाजार विनियामक संस्था सेबी ने पंजीकृत फर्म्स में कॉरपोरेट प्रशासन को बेहतर करने के लिए एक सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट प्रारूप, लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के लिए पात्रता मानदंड और संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) अनुमोदन के लिए मौद्रिक सीमा को शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। सेबी के इस प्रस्ताव का उद्देश्य पंजीकृत फर्म्स में प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता कायम रखना है।

सेबी ने वार्षिक सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट के प्रारूप में कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं, जिससे प्रतिभूति कानून का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। प्रस्ताव में कॉर्पोरेट प्रशासन प्रमाणन और सचिवीय लेखा परीक्षक रिपोर्ट से संबंधित छूट के लिए सुझाव दिए गए हैं। प्रस्तावों में एएससीआर को

वार्षिक रिपोर्ट का अनिवार्य हिस्सा बनाना भी शामिल है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रस्तावों पर 28 फरवरी तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

वित्तीय ट्रैक रिकॉर्ड के बिना सहायक कंपनियों के लिए, सीमा सहायक कंपनी की निवल संपत्ति का 10 प्रतिशत होगी, जिसे चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित किया जाएगा, या समान मौद्रिक सीमा होगी। नकारात्मक निवल संपत्ति के मामले में, इसके बजाय शेयर पूंजी और प्रतिभूति प्रीमियम पर विचार किया जाएगा। यह दोनों प्रकार की सहायक कंपनियों के लिए सीमा में एकरूपता सुनिश्चित करता है। साथ ही, सेबी ने आरपीटी की परिभाषा को स्पष्ट करने का प्रस्ताव दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूचीबद्ध संस्थाओं की सहायक कंपनियों से जुड़े लेन-देन आरपीटी मानदंडों के अनुरूप हों।

फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स पर सेबी की कार्रवाई

भारत में बाजार नियामक संस्था सेबी ने छह कथित वित्तीय सलाहकार निकायों को प्रतिबंधित कर दिया है। जिन निकायों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें अस्मिता पटेल ग्लोबल स्कूल और फाइनेंस इंफ्लुएंसर अस्मिता पटेल का नाम भी शामिल है। इन निकायों पर आरोप हैं कि इन्होंने बिना पंजीकरण कराए लोगों को निवेश सलाह दी और इन सेवाओं के जरिए इन निकायों ने 53 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई। सेबी ने गुरुवार को इन फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स अस्मिता ग्लोबल स्कूल ऑफ ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, अस्मिता जिंदल पटेल, जितेश जेठालाल पटेल, किंग ट्रेडर्स, जैमिनी एंटरप्राइजेज, यूनाइटेड एंटरप्राइजेज को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 630.6 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में बढ़ोतरी होने से 31 जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 1.1 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 630.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात सप्ताह बाद 5.6 अरब डॉलर बढ़कर 629.6 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 31 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 20.7 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 537.7 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 70.9

अरब डॉलर हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 2.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर लुढ़ककर 4.14 अरब डॉलर रह गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख

कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.64 प्रतिशत उबलकर 71.06 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 74.69 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मैक्सिको, कनाडा और चीन पर व्यापार शुल्क लगाने की घोषणा और इसके तुरंत बाद इसे अगले तीस दिन के लिए टाल देने के निर्णय से बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए मिलाजुला प्रदर्शन कर चुके सेंसेक्स और निफ्टी पर अगले सप्ताह जनवरी की खुदरा और थोक महंगाई के जारी होने वाले आंकड़ों का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 354.23 अंक अर्थात 0.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 77860.19 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 822.2 अंक यानी 3.4 प्रतिशत का गोता लगाकर 23559.95 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी का रुख रहा। इससे मिडकैप 165.99 अंक अर्थात 0.4 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 43050.27 अंक और स्मॉलकैप 64.42 अंक यानी 0.12 प्रतिशत बढ़कर 50164.22 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह 12 फरवरी को जनवरी 2025 की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और 14 फरवरी को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इन आंकड़ों पर निवेशकों की नजर रहेगी। हाल ही में जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, भारत में खुदरा महंगाई दर में गिरावट देखी गई है। वित्त वर्ष 2024 में यह 5.4 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल-दिसंबर) में घटकर 4.9 प्रतिशत रह गई। इसका श्रेय सरकार के विभिन्न उपायों को दिया गया है। यदि यह सकारात्मक प्रवृत्ति जारी रहती है और जनवरी 2025 के महंगाई आंकड़े उम्मीद से कम आते हैं तो यह सेंसेक्स और निफ्टी के लिए सकारात्मक संकेत हो सकता है। निवेशकों को महंगाई के आंकड़ों के साथ-साथ अन्य आर्थिक संकेतकों और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी नजर रखनी चाहिए, क्योंकि ये सभी मिलकर बाजार की दिशा निर्धारित करते हैं। साथ ही ट्रंप की आर्थिक और व्यापार नीतियों पर भी निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। ट्रंप की मौजूदा टैरिफ नीति ने वैश्विक स्तर पर संभावित व्यापार युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। इससे वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं। अगले सप्ताह इसका असर भी बाजार पर रहेगा। केंद्रीय बजट के बाद बाजार ने मिश्रित प्रतिक्रिया दी थी। सेंसेक्स में मामूली वृद्धि जबकि निफ्टी में थोड़ी गिरावट देखी गई। बजट में पूंजीगत व्यय में अपेक्षित वृद्धि न होने के कारण बाजार में निराशा थी। हालांकि, सरकार द्वारा लोगों के हाथों में नकदी प्रवाह बढ़ाने के प्रयासों से मांग में वृद्धि की उम्मीद है, जो आने वाले सप्ताह में कंपनियों के परिणामों में सुधार ला सकती है। इस अवधि के दौरान कई प्रमुख कंपनियां अपने तिमाही परिणाम घोषित करेंगी। इन परिणामों के आधार पर निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है, जो बाजार की चाल को निर्धारित करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कनाडा, मैक्सिको और चीन पर टैरिफ लगाने से वैश्विक आर्थिक विकास प्रभावित होने की आशंका में विश्व बाजार के गिरने से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कैपिटल गुड्स, इंडस्ट्रियल्स, पावर, यूटिलिटीज और तेल एवं गैस समेत सोलह समूहों में हुई भारी बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 319.22 अंक की गिरावट लेकर 77,186.74 अंक और निफ्टी 121.10 अंक का गोता लगाकर 23,361.05 अंक पर बंद हुआ।

अध्यादेश पर फंसे ओली ने प्रचण्ड को फिर दिया कम्युनिष्ट एकता का प्रस्ताव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपनी सरकार के द्वारा जारी किए गए अध्यादेश को संसद से पारित करने के लिए प्रमुख विपक्षी दल के नेता से न सिर्फ सहयोग मांगा है बल्कि एक बार फिर से कम्युनिष्ट एकता करने का पास फेंका है। नेपाल सरकार के द्वारा पिछले महीने लाए गए अध्यादेश को संसद से पारित कराने के लिए सरकार के पास आवश्यक बहुमत नहीं पहुंच रहा है। संसद के निचले सदन में दो तिहाई की बहुमत में रही ओली सरकार के पास ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा में सामान्य बहुमत भी नहीं है। यदि किसी भी एक सदन से अध्यादेश को पारित नहीं किया गया तो यह अध्यादेश के जरिए लाया गया कानून अवैध हो जाएगा। राष्ट्रीय सभा में बहुमत नहीं पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने प्रमुख विपक्षी दल के नेता माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड को टेलीफोन कर अध्यादेश पर समर्थन करने का आग्रह किया है। इसका खुलासा खुद प्रचंड ने किया है। एक बयान जारी करते हुए प्रचण्ड ने ओली के तरफ से अध्यादेश पर समर्थन करने का प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने तत्काल ही खारिज कर दिया। अपने बयान में प्रचण्ड ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी कीमत पर ओली सरकार के द्वारा लाए गए अध्यादेश का समर्थन नहीं कर सकती है।

नेपाल के पेयजल मंत्रालय में लगी आग, तीन कमरे के कागजात जलकर नष्ट

काठमांडू। नेपाल के संघीय सरकार के प्रशासनिक भवन काठमांडू के सिंहदरबार में पेयजल मंत्रालय में सुबह आग लग गयी। इससे तीन कमरे के कागजात एवं अन्य सामान जल कर नष्ट हो गए। आज सुबह पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के भवन में चौथे मंजिल पर अचानक आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। इस घटना के तुरंत बाद वहां पहुंचे पेयजल मंत्री प्रदीप यादव ने बताया कि शॉट सर्किट होने के कारण आग लगने की संभावना दिख रही है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आग से उनके निजी कार्यकक्ष, उनका बैठक कक्ष और निजी सचिवालय के कमरे में रहे सभी फर्नीचर, पर्दे, कम्प्यूटर, टीवी सबकुछ जल कर नष्ट हो गया है। प्रारंभिक अनुमान है कि इस घटना में करीब पचास लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच करने के लिए एक अलग टीम बनाई गई है। काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता पुलिस एसपी अपील गुरूंग ने बताया कि सुबह के समय मंत्रालय में रहे दो कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। आग की लपटें दिखने के बाद उस पर आधा घंटा में ही काबू पा लिया गया था। इस घटना में मंत्री और उनके निजी सचिवालय के कई महत्वपूर्ण फाइलों के भी नष्ट होने की जानकारी मिली है। इस संबंध में मंत्री और उनके सचिवालय से जानकारी जुटाई जा रही है।

हमास ने गाजा पट्टी में इजराइल के तीन बंधक छोड़े

गाजा पट्टी। आतंकवादी समूह हमास ने आज इजराइल के तीन बंधकों को अपनी कैद से मुक्त कर दिया। आतंकी संगठन और इजराइल के बीच हुए संघर्ष विराम और बंधक रिहाई समझौते के अंतर्गत यह संभव हो पा रहा है। दोनों पक्षों के इस रुख से सैकड़ों परिवार के सदस्यों के चेहरों पर मुस्कान बिखर चुकी है। समझौते के तहत अब इजराइल 183 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा। इनमें 18 आतंकवादी भी हैं। यह आतंकी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, रिहा किए गए इजराइली बंधकों के नाम 56 वर्षीय ओहद बेन अमी, 52 वर्षीय एली शर्बी और 34 वर्षीय ऑर लेवी हैं। हमास के हथियारों से लैस नकाबपोश आतंकवादियों ने सबसे पहले ओहद बेन अमी को अपने मंच पर पहुंचाया। इसके बाद शर्बी और लेवी को वहां ले गए। तीनों को बारी-बारी से आभार संबोधन पढ़ने का आदेश दिया गया। मंच पर तीनों को शिनाख्त परेड के बाद रेडक्रॉस को सौंप दिया गया। इस दौरान रेडक्रॉस के दो अधिकारियों से इस आशय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराए।

पूर्वोत्तर ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र को भारी बाढ़ की चेतावनी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में फिर से मूसलाधार बारिश के कारण भारी बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने क्वींसलैंड राज्य में उत्तरी उष्णकटिबंधीय तट क्षेत्र में तट से 300 किमी दूर के शहरों के लिए व्यापक और छोटी बाढ़ की चेतावनी जारी की। बीओएम ने गंभीर मौसम चेतावनी में कहा कि शनिवार और रविवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान से क्षेत्र में जीवन के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली बाढ़ आ सकती है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र एक फरवरी से विनाशकारी बाढ़ की चपेट में है, जिसमें दो लोगों की मौत की पुष्टि होचुकी है और संपत्तियों और अवसंरचनाओं को बहुत नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ने आज क्वींसलैंड प्रीमियर डेविड क्रिसफुल्ली के हवाले से कहा कि यह प्रणाली लगातार जारी है।उसने कि कहा हालांकि व्यापक बाढ़ का खतरा कम हो गया है लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों के लबालब होने के कारण अचानक बाढ़ आने का अनुमान है। बीओएम के अनुसार, क्षेत्र के कई हिस्सों ने पहले ही फरवरी महीने में अपने सर्वकालिक वर्षा रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ब्यूरो ने चेतावनी में कहा है कि छह घंटे में 200 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

यमन : सुरक्षा बलों ने हूती विद्रोहियों के हमलों को किया नाकाम, दो की मौत

एजेंसी

अदन। यमन के सरकारी बलों ने देश के तेल समृद्ध प्रांत मारिब को निशाना बनाकर किए गए हूती समूह के कई हमलों को विफल कर दिया। इसमें दो हूती विद्रोही मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी सिन्हुआ को दी।

स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, पिछले 48 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने तेल समृद्ध मारिब प्रांत पर हमले तेज कर दिए थे, जिसके जवाब में सरकारी बलों ने मारिब के कई युद्ध क्षेत्रों में अभियान चलाया। समाचार एजेंसी के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि सरकारी बलों ने उत्तरी मारिब में राघवान मोर्चे पर ÷हूती आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।÷ इससे हूती विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर

होना पड़ा। उन्होंने कहा कि हूतियों को तगड़ा नुकसान हुआ है। सरकारी अधिकारी ने हूती विद्रोहियों पर भारी तोपखाने, कत्यूषा रॉकेट, ड्रोन और स्नाइपर्स सहित कई हथियार प्रणालियों का उपयोग करके आक्रामक कार्रवाई जारी रखने का आरोप लगाया। हूती समूह ने मारिब में इन कथित सैन्य घटनाक्रमों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।यमन के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों का घर मारिब प्रांत हाल के वर्षों में तेज लड़ाई का केंद्र बिंदु रहा है।

इसमें हूती बलों ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण बाहरी क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया है। हालांकि, अप्रैल 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से छह महीने तक चलने वाले युद्ध विराम के प्रभावी होने के बाद से झड़पों में कमी आई है।

हालांकि युद्धविराम आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2022 में समाप्त हो गया, लेकिन अधिकांश सीमाओं पर लड़ाई अपेक्षाकृत कम रही है। अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मध्यस्थों ने संघर्ष विराम को बहाल करने और लंबे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देने के प्रयास जारी रखे हैं।

दक्षिणी मेक्सिको: भीषण बस दुर्घटना में 41 लोगों की मौत

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी मेक्सिको में हुई एक बस दुर्घटना में कम-से-कम 41 लोगों की मौत हो गई है। यात्रियों से भरी बस एक ट्रक से टकरा गई। जिसके बाद बस पूरी तरह खाक हो गई। बस कैनकन से टबैस्को की तरफ जा रही थी और बस ऑपरेटर के मुताबिक इसमें 48 यात्री सवार थे। दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। टबैस्को प्रशासन का कहना है कि घटनास्थल पर राहत कार्य चलाया जा रहा है।

लेबनान में इजरायली ड्रोन हमला, 6 की मौत, दो घायल

एजेंसी

बेरूत। लेबनान में इजरायली ड्रोन हमले में छह लोगों के मारे जाने और दो अन्य लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। यह हमला लेबनान की पूर्वी बेका घाटी में जनता शहर के पास अल-शारा क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया।

समाचार एजेंसी ने सरकारी समाचार एजेंसी (एनएनए) के हवाले से बताया कि इजरायली लड़ाकू विमान दक्षिणी लेबनान के ऊपर मध्यम ऊंचाई पर उड़ानें भर रहे थे। इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में सीमा क्षेत्र के पूर्वी इलाके में स्थित अदाइसेह गांव में विस्फोट अभियान चलाया।

एनएनए के अनुसार, पश्चिमी और मध्य दक्षिणी लेबनान में कई नगर पालिकाओं ने लोगों को इजरायली बलों की ओर से छोड़ी गई बारूदी सुरंगों की मौजूदगी के बारे में चेतावनी जारी की। इनमें से कुछ को नागरिकों को निशाना बनाने वाले जाल में बदल दिया

गया था। घंटों बाद, इजरायली सेना ने कहा कि उसकी वायु सेना ने बेका घाटी में हिजबुल्लाह के एक टारगेट को निशाना बनाया।

इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि हमले ने हिजबुल्लाह से संबंधित 'हथियार निर्माण और भंडारण स्थल' को निशाना बनाया। उसने इस जगह पर ऐसी गतिविधि को 'इजरायल और लेबनान के बीच समझ का व्यापक उल्लंघन'बताया। नवंबर 2024 में युद्ध विराम लागू हुआ। इसके तहत हमास और इजरायल के बीच एक साल से चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया। इसके बावजूद इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह की तरफ से युद्ध विराम समझौते के उल्लंघन का हवाला देते हुए लेबनान में छिटपुट हमले जारी रखे हैं। लेबनानी सरकार ने बार-बार इजरायली हमलों की निंदा की है। दक्षिणी लेबनान से इजरायल के प्रारंभिक वापसी की समय सीमा को पूरा करने में विफल रहने के बाद, लेबनानी अधिकारियों ने समय सीमा को 18 फरवरी तक बढ़ा दिया।

हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना होगा : अमेरिकी विदेश मंत्री

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े रुख को दोहराते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हमास को सभी बंधकों को रिहा करने को कहा। उन्होंने तीन बंदियों की वापसी के बाद सभी इजरायली बंधकों की तत्काल रिहाई की अपील की। रुबियो ने 'एक्स' पोस्ट में इसकी जानकारी दी। लिखा, कैद में 490 दुख देने वाले दिनों के बाद, एली, ओर और ओहद आखिरकार इजरायल में घर लौट आए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति (पोटस) ने स्पष्ट किया कि हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना चाहिए। यह बयान हमास द्वारा तीन इजरायल बंधकों को रिहा करने के बाद आया। हमास ने एक इजरायली-जर्मन नागरिक 56 वर्षीय ओहद बेन अमी; 52 वर्षीय एली शराबी और 34 वर्षीय ओर लेवी को रिहा किया था। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, बंधकों को इजरायल में प्रवेश करने से पहले मध्य गाजा से आईडीएफ और इजरायल सुरक्षा एजेंसी

को सौंप दिया गया था। इससे पहले, रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) के तीन वाहन मध्य गाजा के डेयर अल-बलाह में पहले से तय हैंडओवर साइट पर पहुंचे। हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड के आईसीआरसी को सौंपे जाने से पहले बंधकों ने बात की थी। रिपोर्ट में बताया गया है कि उसी दिन बेन अमी की पत्नी का भी अपहरण कर लिया गया था। लेकिन पिछले बंधक सौदे के तहत 54 दिनों की कैद के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।यह रिहाई मिस्र और कतर द्वारा अमेरिका के समर्थन से किए गए युद्ध विराम समझौते के पहले चरण के तहत पांचवीं बंधक-कैदी अदला-बदली है।यह रिहाई मिस्र और कतर के अमेरिकी समर्थन से किए गए युद्ध विराम समझौते के तहत हुई। यह समझौते के पहले चरण में बंधक-कैदी की पांचवीं अदला-बदली रही।

संघर्ष के दौरान मारे गए विभिन्न देशों के 18 सैनिक, पोस्टमार्टम के बाद शव भेजे जाएंगे वतन

कंपाला। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में हुए संघर्ष के दौरान विभिन्न अफ्रीकी देशों के 18 सैनिक मारे गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए युगांडा भेजा गया है।

युगांडा के विदेश राज्य मंत्री हेनरी ओकेलो ओरीम ने टेलीफोन के माध्यम से समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, मृतक सैनिक, लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय मिशन का हिस्सा थे। सैनिकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए कंपाला स्थित मुलागो नेशनल रेफरल अस्पताल के शवगृह भेजा गया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, हेनरी ओकेलो ओरीम ने कहा कि मारे गए 13 दक्षिण

अफ्रीकी, तीन मलावी और दो तंजानियाई सैनिकों के शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा और उसके बाद उनके शवों को संबंधित देशों को वापस भेजा जाएगा।ओरीम ने कहा, युगांडा लाए गए विभिन्न देशों के मारे गए सैनिकों के शवों को एंटेबे स्थित संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय सेवा केंद्र की सहायता से उनके देशों को भेजा जाएगा। इस दौरान उनके शवों को वापस भेजने की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

बता दें कि मारे गए सैनिकों की निकासी के दौरान गोमा क्षेत्रीय हवाई अड्डे को हुए नुकसान का उनके शवों को ले जाने की प्रक्रिया पर प्रभाव पड़ा है, जिससे अधिकारियों को युगांडा तक सड़क मार्ग से परिवहन की व्यवस्था करनी पड़ी, जहां शवों को एंटेबे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से घर वापस भेजा जाएगा, जो कि राजधानी कंपाला से लगभग 40 किमी दूर है।

हूती हमलों को विफल करने के दौरान 2 की मौत

एजेंसी

अदन, यमन। यमनी सरकारी बलों ने देश के तेल समृद्ध प्रांत मारिब को निशाना बनाकर हूती समूह द्वारा किए गए कई हमलों को नाकाम कर दिया, जिसमें कम से कम दो सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, हूती ने पिछले 48 घंटों के दौरान तेल समृद्ध प्रांत मारिब के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं जिसके जवाब में सरकारी बलों द्वारा मारिब के कई युद्ध क्षेत्रों में रक्षात्मक अभियान चलाए गए। अधिकारी ने कहा, सरकारी बलों ने उत्तरी मारिब में राघवन मोर्चे पर हूती हमलों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया, जिससे हूती लड़ाकों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा, अधिकारी ने कहा, हूतियों को कर्मियों और उपकरणों दोनों में अनिर्दिष्ट नुकसान का सामना करना पड़ा।

हमास नेताओं से मिले ईरान के सर्वोच्च नेता, कहा - आपने इजरायल को हराया

एजेंसी

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने तेहरान में हमास के कार्यवाहक नेता खलील अल-हय्या और फिलिस्तीनी समूह के दो अन्य नेताओं से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी राज्य टीवी ने यह जानकारी दी। खामेनेई, ने फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल से कहा, आपने जायोनी शासन [इजरायल] को हराया, जो वास्तव में अमेरिका की हार थी। आपने उन्हें उनके किसी भी लक्ष्य को हासिल करने नहीं दिया। ईरानी टीवी ने कहा कि फिलिस्तीनी नेता 1979 की ईरानी क्रांति की वर्षगांठ पर खामेनेई को बधाई देने के लिए तेहरान में थे। उन्होंने ईरान के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में हमास के नेतृत्व परिषद के प्रमुख मोहम्मद दरवेश और हमास के शीर्ष अधिकारी निजार अवदल्लाह भी शामिल थे।

उन्होंने खामेनेई को गाजा और पश्चिमी तट की मौजूदा स्थिति और हासिल की गई जीत और सफलताओं पर एक रिपोर्ट सौंपी। ईरानी मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी धमकियों का हमारे राष्ट्र की मानसिकता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। ईरान हमास का समर्थक रहा है। गाजा युद्ध के दौरान भी वह फिलिस्तीनी ग्रुप के साथ खड़ा रहा। इस बीच हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत तीन औरइजरायली पुरुष बंधकों को गाजा युद्ध विराम समझौते के तहत मुक्त कर दिया। तीनों को 7 अक्टूबर के हमले के दौरान हमास के लड़ाकों ने बंधक बनाया था। इसके बदले में इजरायल 183 फिलिस्तीनियों कैदियों को रिहा करने वाला है। 19 जनवरी को युद्ध विराम शुरू होने के बाद से अब तक 21 बंधकों और 383 कैदियों को रिहा किया जा चुका है। कुल मिलाकर, तीन सप्ताह में युद्ध विराम के पहले चरण के अंत तक 33 बंधकों और 1,900 कैदियों को रिहा किया जाना है। इजरायल का कहना है कि 33 में से आठ की मौत हो चुकी है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला करके 251 बंधकों को पकड़ लिया और लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था जिसके बाद युद्ध शुरू हो गया गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के हमले में कम से कम 47,500 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका से नाराज डोनाल्ड ट्रंप, फंडिंग में कटौती का आदेश

एजेंसी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका के लिए अमेरिकी वित्तीय सहायता में कटौती करने के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में ऐसा करने की धमकी दी थी। व्हाइट हाउस नेकहा, भूमि नीति और वाशिंगटन के सहयोगी इजरायल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार केस दायर की करने की वजह से यह कदम उठाया गया। ट्रंप का आरोप है कि दक्षिण अफ्रीका का नया भूमि कानून लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। अमेरिकी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक वाशिंगटन ने 2023 में दक्षिण अफ्रीका को लगभग 440 मिलियन डॉलर की सहायता आवंटित की थी। व्हाइट हाउस ने कहा कि वाशिंगटन श्वेत दक्षिण अफ्रीकी किसानों और उनके परिवारों को शरणार्थी के रूप में पुनर्वासित करने

के लिए भी एक योजना तैयार करेगा। इसमें कहा गया कि अमेरिकी अधिकारी दक्षिण अफ्रीका में अफ्रीकैनर्स के लिए यूनाइटेड स्टेट्स रिफ्यूजी एडमिशन प्रोग्राम के जरिए प्रवेश और पुनर्वास सहित मानवीय राहत को प्राथमिकता देने के लिए कदम उठाएंगे। अफ्रीकैनर्स दक्षिण अफ्रीका में शुरुआती डच और फ्रांसीसी बसने वालों के श्वेत वंशज हैं। ट्रंप ने बिना किसी सबूत का हवाला दिए कहा कि दक्षिण अफ्रीका जमीन जब्त कर रहा है और कुछ खास वर्ग के लोगों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे अरबपति एलन मस्क, [जो ट्रंप के करीबी हैं], ने कहा कि गोरे दक्षिण अफ्रीकी नस्लवादी स्वामित्व कानूनों के शिकार रहे हैं।दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि इसका मकसद जनहित में भूमि अधिग्रहण करना आसान बनाना था।

'जो, यू आर फायर्ड', बाइडेन के बाद ट्रम्प ने ब्लिंकन व सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी रद्द की

वॉशिंगटन।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के बाद पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है। इससे पहले ट्रम्प ने जैसे को तैसा नीति अपनाते हुए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी और दैनिक खुफिया ब्रीफिंग तक पहुंच रद्द कर दी थी। अपने इन फैसलों की जानकारी देते हुए ट्रम्प ने सोशल प्लेफॉर्म ट्रूथ पर लिखा- जो यू आर फायर्ड।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने जो बाइडेन के बाद उनकी टीम के अहम सहयोगी रहे पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की सुरक्षा मंजूरी भी रद्द कर दी है।

बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी और दैनिक खुफिया ब्रीफिंग तक उनकी पहुंच रद्द करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि चार साल पहले उनके पूर्ववर्ती ने भी उनके साथ ऐसा ही किया था। उन्होंने लिखा- बाइडेन ने 2021 में यह मिसाल कायम की, जब उन्होंने इंटेलिजेंस कम्युनिटी (आईसी) को अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति (मुझे) को राष्ट्रीय सुरक्षा के विवरण तक पहुंचने से रोकने का निर्देश दिया, जो कि पूर्व राष्ट्रपतियों को दिया जाने वाला शिष्टाचार है।'

धर्मपरिवर्तन के लिए ईसाई धर्म का प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार 17 अमेरिकी नागरिक डिपोर्ट किए गए

एजेंसी

काठमांडू। धर्म परिवर्तन के लिए ईसाई धर्म का प्रचार करने के आरोप में धरान से गिरफ्तार किए गए 17 अमेरिकी नागरिकों को नेपाल से डिपोर्ट कर दिया गया है। अध्यागमन विभाग द्वारा इन सभी का वीजा रद्द करने के बाद शनिवार देर रात इन सभी को विमान में बिठाकर वापस अमेरिका भेज दिया गया। नेपाल के पूर्वी क्षेत्र धरान उप महानगरपालिका में एक चर्च बनाने के लिए श्रमदान करने और उसकी आड़ में ईसाई धर्म के प्रचार के आरोप में 17 अमेरिकी और 1 भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया था। इन पर टूरिस्ट वीजा पर नेपाल आकर धर्म प्रचार करने के आरोप था। धरान में गिरफ्त सभी अमेरिकी नागरिकों को काठमांडू के अध्यागमन विभाग के हवाले कर दिया गया था।अध्यागमन विभाग के प्रवक्ता धर्मराज जोशी ने बताया कि जांच

में वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप साबित होने के बाद गिरफ्तार अमेरिकी नागरिकों का वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। सभी को विमानस्थल पहुंचा कर उन्हें कतर एयरवेज से अमेरिका डिपोर्ट कर दिया गया। प्रवक्ता जोशी ने बताया कि नेपाल के संविधान की धारा 26 के उपधारा 3 में ही धर्म परिवर्तन के लिए प्रचार करने को गैर कानूनी माना गया है। टूरिस्ट वीजा पर आए इन अमेरिकी नागरिकों को चर्च का भवन बनाने के लिए श्रमदान करने और उसकी आड़ में धर्म परिवर्तन के लिए घूम-घूम कर प्रचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इन अमेरिकी नागरिकों में रायन मैथ्यू कार्टर, सिलास डैनियल फॉक्स, रसेल थॉमस हॉवेल्स, रोज़ ब्रायन हॉवेल्स, मार्क एलन मैथ्यू, ब्रायन केनेडी, प्याट्रिक इरविन समर्स, डुआन माइकल गोडलिड, बैनमिन वार्ड कौफ मैन, ब्रायन वार्ड कौफ, डिलन जैक्सन बोन्जो, कैथलिन सु मूर, डासन एन्ड्रु कार्टर, जेम्स नाथन अस्टिन, विलियम रेमन्ड बीवीयानो जूनियर, केनेथ डेविड ग्रे और जेम्स रे मर्फी थर्ड शामिल हैं। इनके साथ गिरफ्तार भारतीय नागरिक पश्चिम बंगाल सिलीगुड़ी निवासी पास्टर वसंत लामा को लेकर अब तक कोई जानकारी नहीं दी गई है।

महाकुम्भ में उमड़ पड़ा आस्था का जनसैलाब, अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था का हर पल लेते रहे अपडेट

महाकुम्भ नगर,09 फ़रवरी । प्रयागराज महाकुम्भ में भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ पड़ा है। श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होकर संगम की धरती पर चले आ रहें है। माघ मास के सभी स्नान सबसे महत्वपूर्ण व पुण्यदायी होते हैं। देश के कोने–कोने से भारी संख्या में जनसमूह चला आ रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस उप महानिरीक्षक वैभव कृष्ण एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी हर पल पुलिस कर्मचारियों से जानकारी लेते रहे।

तीर्थराज प्रयाग की पवन धरती चल रहे महाकुम्भ में पुण्य अर्जित करने के लिए रविवार को स्नानार्थियों एवं श्रद्धालुओं का रेला लगा हुआ है। संगम में आस्था की डुबकी लगाने के जन सैलाब उमड़ पड़ा है।

श्रद्धालुओं की भीड़ ऐसी है कि जैसे कोई प्रमुख स्नान पर्व चल रहा हो, जिसमे करोड़ों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए लगातार चले आ रहे हैं। मेला क्षेत्र में क्या दिन, क्या रात बस श्रद्धालुओ की भीड़ निरंतर बढ़ती जा रही है।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान के लिए सभी प्रवेश द्वारों,चौराहों,पार्किंग स्थलों,स्नान घाटों पर व्यापक पुलिस प्रबन्ध किए गये हैं।

सम्पूर्ण महाकुम्भ मेला क्षेत्र मे पुलिस की विभिन्न टीमें व्यवस्थापित की गई हैं एवं संगम सहित अन्य स्नान घाटों पर जल पुलिस के साथ–साथ मोटर–बोट नियुक्त कर स्नानार्थियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध किये गये हैं। कमाण्ड सेंटर से सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन के माध्यम से चप्पे–चप्पे पर सतर्क दृष्टि रखते हुए लगातार मेले की गतिविधियों की जानकारी अधिकारी लेते रहे।

मेला क्षेत्र में आने–जाने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों से पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार अनुरोध किया जा रहा है कि सुरक्षित स्नान कर अपने गंतव्य को सकुशल वापस जाये एवं मेला क्षेत्र में आने और जाने के लिए निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें।

वायु सेना और सेना प्रमुख ने पहली बार एक साथ एलसीए तेजस में भरी उड़ान

बेंगलुरु, 09 फरवरी। एयर फोर्स स्टेशन येलहंका में एशिया की सबसे बड़ी हथियारों की प्रदर्शनी एयरो इंडिया का औपचारिक उद्घाटन भले ही सोमवार को होगा लेकिन आज पहली बार वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक साथ उड़ान भरी। दोनों प्रमुख रविवार को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस में एक साथ 45 मिनट तक आसमान में रहे।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पाठ्यक्रम के साथी रहे हैं। दोनों रक्षा बलों के बीच एकजुटता और आत्मनिर्भरता के समर्थन के प्रदर्शन में दोनों प्रमुखों ने रविवार को बेंगलुरु के येलहंका वायु सेना स्टेशन में एलसीए तेजस लड़ाकू विमान के प्रशिक्षक संस्करण में उड़ान भरी।

एयरो इंडिया एयर शो की शुरुआत से एक दिन पहले वायु सेना प्रमुख ने बेंगलुरु के एयरो इंडिया में स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस को 45 मिनट तक उड़ाया और उनके साथ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी भी रहे। उनकी यह उड़ान देश के रक्षा बलों की ओर से मेड इन इंडिया हथियार प्रणालियों के लिए समर्थन को प्रदर्शित करने के लिए थी।

एलसीए तेजस विमान हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने निर्मित और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी एलसीए तेजस में नवंबर, 2023 में उड़ान भरी थी। भारतीय वायु सेना अपने हवाई बेड़े में लगभग 40 एलसीए तेजस विमानों को शामिल कर चुकी है। निकट भविष्य में 83 और एलसीए मार्क–1ए को शामिल करने की योजना बना रही है। भारतीय वायु सेना ने 83 विमानों के बाद 97 और एलसीए तेजस विमानों को अपने हवाई बेड़े में शामिल करने की योजना बनाई है। इन विमानों का उत्पादन बढ़ाने के भारत के प्रयासों में तेजी आने वाली है, क्योंकि जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने आवश्यक इंजनों की समय पर डिलीवरी करने का वादा किया है।

एलसीए तेजस मार्क–1ए के लिए अमेरिकी कंपनी जीई इंजन उपलब्ध कराएगी लेकिन आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों के कारण इन विमानों की आपूर्ति में कुछ महीनों की देरी हुई है। देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में तेजस कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका होने के साथ इंजन की डिलीवरी में देरी ने उत्पादन कार्यक्रम को दबाव में डाल दिया है।

जनरल इलेक्ट्रिक से एयरो–इंजन की संशोधित डिलीवरी के साथ भारत तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट का उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार है। एचएएल मार्च–अप्रैल तक पांच तेजस मार्क–1ए लड़ाकू विमान और चार तेजस लड़ाकू प्रशिक्षक विमान तैयार करेगा। एचएएल को उम्मीद है कि वह शीघ्र ही उन्नत क्षमताओं के साथ तेजस एमके–2 की तैयारी भी करेगा।

'प्रयागराज महाकुम्भ के त्रिवेणी स्नान गहरी शांति और आत्मिक उत्थान का क्षण'

महाकुम्भ नगर, 9 फ़रवरी । प्रयागराज महाकुम्भ के त्रिवेणी स्नान गहरी शांति और आत्मिक उत्थान का क्षण था। इस दिव्य आयोजन में शामिल होना मेरे लिए सौभग्य की बात है। करोड़ों श्रद्धालु यहां आस्थ और भक्ति के साथ एकत्र हुए हैं। इस ऊर्जा को महसूस करना अत्यंत प्रेरणादायक है। यह विचार रविवार को संगम स्नान करने के बाद सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री तमांग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे महाकुम्भ 2025 का हिस्सा बनने और त्रिवेणी संगम में स्नान करने का अवसर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री तमांग के साथ सिक्किम से आए 135 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी महाकुम्भ में भाग लिया और संगम में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। उन्होंने प्रयागराज प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा अन्य अधिकारियों का विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री तमांग ने त्रिवेणी संगम के पवित्र जल से आशीर्वाद लेकर समस्त देशवासियों के लिए धर्म, शांति और सद्भाव की कामना की।

प्रयागराज महाकुम्भ मेले में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी रविवार को परिवार सहित त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। 144 वर्ष में आयोजित हो रहे इस महाकुम्भ में शामिल होकर उन्होंने खुशी जाहिर की।

पिता ने जताई संगम स्नान की इच्छा तो कैलिफोर्निया से दौड़ी चली आईं बेटियां

***महाकुम्भ नगर, 09 फरवरी** महा कुम्भ 2025 की दिव्यता और भव्यता शब्दों से परे है। इसकी आध्यात्मिक भव्यता से श्रद्धालु अभिभूत हैं। देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज के संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं और सनातन संस्कृति के इस शाश्वत स्वरूप में स्वयं को समर्पित कर रहे हैं। इसमें कई भावनात्मक पहलू भी देखने को मिल रहे हैं। इसका एक नजारा तब देखने को मिला जब अपने पिता की संगम स्नान की इछा को पूरा करने के लिए बेटियों ने अब्रॉड से इंडिया और फिर प्रयागराज तक का सफर किया।

पूरी की पिता की इछा

भारत के कोने–कोने से श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की पावन गोद में स्नान के लिए महाकुम्भ की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। संगम में स्नान कर श्रद्धालु स्वयं को धन्य मान रहे हैं और दिव्य अनुभूति से ओत–प्रोत हो रहे हैं। संगम स्नान करने आई एक श्रद्धालु ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर बताया, मैंने और मेरी बहन ने अपने 85 वर्षीय पिता से उनके जन्मदिन पर उनकी इछा पूछी। उन्होंने कहा – मेरे पास सब कुछ है, पर यदि पूछ रहे हो तो कुम्भ मेले में गंगा स्नान करना चाहता हूं। उनकी इस पवित्र इछा को पूरा करने के लिए दोनों बहनें कैलिफोर्निया से प्रयागराज पहुंचीं। पिता को संगम स्नान कराने के लिए उन्होंने काफी लंबी दूरी तय की, लेकिन इसके बावजूद पिता की इछा पूरी करने की खुशी ने उनकी पूरा थकान उतार दी। इछा पूरी होने पर पिता की खुशी का भी कोई ठिकाना नहीं रहा।

प्राउड फादर

बेटियों के इस भक्ति भाव को देखकर लोग उनकी प्रशंसा करते नहीं थक रहे। एक यूजर ने लिखा, आपके पिता सच में भाग्यशाली हैं, जिनकी इतनी अद्भुत बेटियां हैं। आपने पिता की इछा पूरी करने के लिए आधी दुनिया का सफर तय कर लिया। सुरक्षित रहें, इस अद्भुत माहौल को आत्मसात करें और महाकुम्भ की दिव्यता आपको सही मार्ग दिखाए। एक अन्य यूजर ने लिखा, उनकी सची इछाओं को पूरा करने से बड़ा कोई सुख और आशीर्वाद नहीं हो सकता। मुझे भी यह सौभाग्य प्राप्त हुआ, जब मैंने अपने माता–पिता को काशी और अयोध्या की यात्रा कराई। एक विदेशी यूजर ने लिखा, भारतीय परिवार शानदार होते हैं। पश्चिमी देशों को विकसित और भारत को विकासशील कहा जाता है। मुझे लगता है, यह बिल्कुल उल्टा है।

प्रयागराज जंक्शन में एकल दिशा प्लान से ही होगा प्रवेश और निकास*

09 फरवरी । महाकुम्भ नगर ।* महाकुम्भ 2025 में अमृत स्नान पर्वों के बाद भी संगम स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ भारी मात्रा में प्रयागराज आ रही है। महाकुम्भ की शुरूआत हुए 26 दिन हो चुके हैं, अब तक महाकुम्भ में 42 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं। इसके बाद भी प्रतिदिन महाकुम्भ में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। महाकुम्भ में भीड़ की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रयागराज रेलवे ने एकल दिशा प्लान को अगले आदेश तक लागू रखने की योजना बनाई है। सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा के लिए प्रयागराज रेलवे ने तीर्थयात्रियों के स्टेशन परिसर में प्रवेश और निकास के लिए अलग–अलग मार्गों का निर्धारण किया है।

विश्व में मानवों के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। महाकुम्भ के अमृत स्नान पर्वों के बीत जाने के बाद भी पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने वालों की संख्या दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रयागराज रेल मण्डल ने अगले आदेश तक एकल दिशा प्लान लागू रखने का एलान किया है। रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि प्रयागराज रेलवे ने तीर्थयात्रियों की सुगम और सुक्षित यात्रा को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया है। मुख्य स्नान पर्वों की तरह विशेष तौर पर प्रयागराज जंक्शन स्टेशन परिसर में यात्रियों का प्रवेश केवल सिटी साईड प्लेटफार्म नं. 1 से ही कराया जाएगा। जबकि निकास स्टेशन के सिविल लाइंस साइड, प्लेटफार्म नं. 6 और 10 की ओर से ही होगा।

पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि स्टेशन परिसर में तीर्थयात्रियों को प्लेटफार्म तक कलर कोडेड टिकट और आश्रय स्लथों के माध्यम से ही पहुंचाया जाएगा। कलर कोडेड आश्रय स्थल दिशावार यात्रियों के गंतव्य स्टेशनों के मुताबिक बनाये गये हैं। जिनमें अस्थाई टिकट घर, शौचालय व यात्रियों के ठहरने की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि आरक्षित यात्रियों को स्टेशन में प्रवेश गेट संख्या 5 से दिया जाएगा। साथ ही प्रयागराज रेलवे ने तीर्थयात्रियों से सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा के लिये ट्रेनों के निर्धारित समय से अतिरिक्त समय लेकर आने का अनुरोध किया है। इसके अलावा सिविल पुलिस के सहयोग से शहर में चलने वाले टैक्सी, आटो और ई–रिक्शा चालकों से अनुरोध किया है कि वे भी तीर्थयात्रियों को रेलवे स्टेशन एकल दिशा प्लान के मुताबिक ही लाएं। ताकि शहर में जाम और स्टेशन परिसर में भगदड़ की स्थिति से बचा जा सके।

दिव्य–भव्य महाकुम्भ में सनातन आस्था की डुबकी लगाएंगी देश की प्रथम नागरिक

***महाकुम्भ नगर, 9 फरवरी**।* प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदम रखेंगी और इसकी भव्यता व दिव्यता की साक्षी बनेंगी। वे आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी और इस दौरान संगम स्नान के साथ ही यहां अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन–पूजन करेंगी। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

संगम में लगाएंगी आस्था की डुबकी

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह संगम नोज़ पहुंचकर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगी। मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में राष्ट्रपति आस्था की डुबकी लगाकर सनातन आस्था को मजबूत आधार देंगी। देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा। बता दें कि इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुम्भ में पावन स्नान किया था।

*देशवासियों के सुख–समृद्धि की करेंगी कामना*राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके उपरांत धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन–पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वे बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा–अर्चना कर देशवासियों के सुख–समृद्धि की कामना करेंगी।

*डिजिटल महाकुम्भ अनुभव केंद्र का करेंगी अवलोकन*आधुनिक भारत और डिजिटल युग के साथ धार्मिक आयोजनों को जोड़ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को राष्ट्रपति समर्थन देंगी। वे डिजिटल महाकुम्भ अनुभव केंद्र का अवलोकन करेंगी, जिसमें महाकुम्भ मेले की विस्तृत जानकारी तकनीकी माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही है। यहां देश–विदेश के श्रद्धालुओं को इस अद्भुत आयोजन को और अधिक निकटता से अनुभव करने के लिए स्थापित किया गया है। राष्ट्रपति शाम पौने छह बजे प्रयागराज से वापस नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

राष्ट्रपति का यह दौरा न केवल प्रयागराज के लिए ऐतिहासिक होगा, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के लिए भी एक प्रेरणादायी क्षण होगा। उनकी उपस्थिति से महाकुम्भ के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को एक नई ऊंचाई मिलेगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रयागराज में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद कर दी गई है।

पॉलीहाउस तकनीक से बेमौसमी सब्जियों की खेती

पॉलीहाउस तकनीक से खुले वातावरण की अपेक्षा उच्च गुणवत्तायुक्त एवं ज्यादा मात्रा में किसान विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन कर सकते है। बदलते मौसम के कारण सब्जियों की पैदावार व् गुणवत्ता पर प्रभाव पड रहा है जिसके कारण किसानों को खुले वातावरण में पैदा की गई सब्जियों से अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पता है। वर्षा ऋतू में एवं ग्रीष्म ऋतू में खुले में उगाई गई सब्जियों पर बीमारियों व कीटों में विशेषकर विष्णु रोग फैलाने वाले कीटों का प्रकोप अधिक होता है।

गुणवत्तायुक्त एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन के लिए पॉलीहाउस तकनीक एक वरदान

पॉलीहाउस एक घर नुमा ढांचा होता है जो यूवी. प्रतिरोधी पॉलीथिन की शीट से ढका होता है। इन पॉलीहाउस में कुछ चयनित ग्रीष्मकालीन बेमौसमी सब्जियों व उनकी चयनित केवल संकर किस्मों से अधिक अच्छी गुणवत्ता की पैदावार संभव है।

निचले एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली केवल तीन ही बेमौसमी फसलें है – शिमला मिर्च, टमाटर और पार्थिनोकार्पिक खीरा है।

अधिकतर ग्रीष्मकालीन पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली सब्जियों के लिए औसत तापमान 18–25 डिग्री सेल्सियस चाहिए जो की इन क्षेत्रों में खुले वातावरण में अधिक समय तक नहीं रहता है। अत: ऐसे क्षेत्रों में पॉलीहाउस में सब्जियां उगना व्यवहारिक एवं लाभप्रद है।

पॉलीहाउस में सब्जियों की सफल खेती हेतु निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मध्य पर्वतीय क्षेत्रों के किसान पतझड़–सहित व बसंत ऋतु में बेमौसमी धनियां, हरी पत्तेदार सब्जियां तथा मटर इत्यादि को केवल पॉलीहाउस में पूर्ण रूप से लगभग सारा साल उगा सकते है, लेकिन इस बात का किसान ध्यान रखें की इन फसलों से उन्हें आमदनी केवल बेमौसम उत्पादन से ही संभव है।

पॉलीहाउस में केवल अनियमित बढ़वार वाली संकर किस्में व रोग प्रतिरोधी किस्मे ही लगाएं तथा शीर्चनोचन एवं काट–छांट पर विशेष ध्यान दे।

पॉलीहाउस के अंदर एवं बहार सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा एवं दरवाजा हमेशा बंद रखें।

ड्रिप–सिंचाई विधि द्वारा तथा फर्टिगेशन (खाद+पानी) का विशेष ध्यान रखें तथा उपयुक्त समय पर सिंचाई व तरल खाद फल बनने के बाद देते रहें।

दोहरा दरवाजा, किनारे व ऊपर मलमल के जाले (40–50 मैश) का प्रयोग करे तथा पॉलीहाउस के ऊपर रोलिंग टाइप के हरे छायादार जले 50% का उपयोग अप्रेल से सितंबर तक आवश्यकतानुसार 11 बजे (सुबह) से 3 बजे (शाम) तक करें। ध्यान रखें पॉलीहाउस में दिन का तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड से उपन न जायें।

परिवर्तित प्राकृतिक हवादार पॉलीहाउस प्राय: बेमौसमी सब्जियों जैसे मिर्च, टमाटर एवं खीरे की व्यापारिक खेती के लिए उपयुक्त है।

फसलों पर मौसम का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव

भारतवर्ष की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त उन स्थानों पर भी जहां सिंचाई के साधन है, यदि मौसम फसलों के अनुकूल है तो अच्छी उपज होती है इसके विपरीत मौसम के प्रतिकूल दशाएं होने पर उपज अच्छी नहीं होती है। हमारे देश में मुख्यत: 3 ऋतुएँ ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद की होती हैं। इन ऋतुओं का मौसम भिन्न–भिन्न प्रकार का होता है। इसी आधार पर भारतवर्ष में मुख्यत: फसलों को भी जलवायु के आधार पर तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं–

खरीफ की फसलें– इन फसलों के अंतर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, महुआ, उर्द, लोबिया, अरहर, ग्वार, तिल, मूंगफली, कपास, सनई तथा पटसन आदि की खेती होती है। इन फसलों की बुवाई के लिए वायुमंडल का ताप ऊंचा होना चाहिए तथा वृद्धि के लिए अच्छी नमी तथा अधिक समय तक धूप की आवश्यकता होती है।

अर्थात दिन बड़े होने चाहिए तथा फसलों की पकाई के समय कम समय तक धूप की आवश्यकता पड़ती है अर्थात दिन पहले से छोटे होने चाहिए। यही कारण है कि इस श्रेणी की फसलों का समय जून से अक्टूबर तक होता है।

रबी की फसलें– इन फसलों के अंतर्गत गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, रिजका, गोभी, गाजर, मूली, आदि की खेती की जाती है। इन फसलों की बुवाई के समय वायुमंडल में अच्छी नमी कम धूप तथा हल्की ठंड की आवश्यकता पड़ती है। पौधों की वृद्धि के लिए ठंडा वातावरण तथा कम समय के लिए प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है तथा फसलों की पकाई के लिए गर्म दिन तथा अधिक समय के लिए धूप की आवश्यकता पड़ती है। **सी एम शर्मा**

किसी स्थान का मौसम असल में उस स्थान के तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बंधित है। मौसम का सम्बन्ध हमारे वातावरण में रोजाना होने वाले बदलावों से है।

ये मौसम सब जगहों पर एक जैसा नहीं रहता। किसी एक जगह पर मौसम गर्म और तेज़ धूप वाला हो सकता है वहीं उसी समय किस दूसरी जगह ठंडी हवाओं और बर्फबारी वाला मौसम हो सकता है। वायुमंडल की दशाएं मौसम को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव–

प्रतिकूल मौसम फसलों को अंकुरण से लेकर उन के भंडारण तक की क्रियाओं को प्रभावित करता है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस शीर्षक के अंतर्गत हम मौसम की उन दशाओं का वर्णन करेंगे, जो फसलों पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

त्रुटियुक्त वर्षा – वर्षा की निम्नलिखित तीन अवस्थाएं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं–

अनावृष्टि – वर्षा का बहुत कम होना या बिल्कुल ना होना अनावृष्टि कहलाता है। ऐसी अवस्था में खरीफ की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं। केवल ऐसे क्षेत्रों को छोड़कर जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं, फसलें सूख जाती हैं और अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तथा रबी की फसलों की बुवाई भी अधिकतर क्षेत्रों में नहीं हो पाती। अतिवृष्टि – वर्षा का आवश्यकता से अधिक होना अतिवृष्टि कहलाता है वर्षा की इस अवस्था से नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे फसलें बह जाती हैं या पानी में डूबकर सड़ जाती हैं। दूसरे, जो क्षेत्र गहरे होते हैं तथा जल निकासी की व्यवस्था नहीं होती है वहां पर अधिक दिनों तक पानी भरा रहता है जिसके कारण पौधों की जड़े गल जाती है। इससे खरीफ की फसलों में भारी हानि होती है तथा रबी की फसल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है